

KEDIA
सेजस्थान
KOTHI & WALK-UP APARTMENT
अजमेर रोड, जयपुरwww.rera.rajasthan.gov.in
RERA No. RAJ/P/2023/2387आज रात से
5 लाख रेट बढ़ेगी !“मंडी” जैसे दाम
लकजरी
आपके नाम

लकजरी की कीमत : ₹4200/- में फ्लैट !

₹5400/- में कोठी !

PRODUCT TYPE	UNIT TYPE	SIZE	PRESENT RATE	31 JULY 2026	31 AUG. 2026	30 SEPT. 2026	31 OCT. 2026	30 NOV. 2026	30 DEC. 2026
WALK-UP APARTMENT	2 BHK (GF)	1350 Sq Ft	68 Lacs	70 Lacs	72 Lacs	74 Lacs	76 Lacs	78 Lacs	80 Lacs
	3 BHK (SF)	1900 Sq Ft	78 Lacs	80 Lacs	82 Lacs	84 Lacs	86 Lacs	88 Lacs	90 Lacs
	3 BHK (FF)	1900 Sq Ft	85 Lacs	87.5 Lacs	90 Lacs	92.5 Lacs	95 Lacs	97.5 Lacs	1 Cr
KOTHI	3 BHK BIG	2000 Sq Ft	1.10 Cr	1.125 Cr	1.15 Cr	1.175 Cr	1.20 Cr	1.225 Cr	1.25 Cr
	4 BHK BIGGER	2325 Sq Ft	1.32 Cr	1.35 Cr	1.38 Cr	1.41 Cr	1.44 Cr	1.47 Cr	1.50 Cr
	4 BHK BIGGEST	3200 Sq Ft	1.70 Cr	1.75 Cr	1.80 Cr	1.85 Cr	1.90 Cr	1.95 Cr	2 Cr

FIXED PRICE

NO MIDDLE MEN

KEDIA®

1800-120-2323

info@kedia.com
www.kedia.com
78770-72737SCAN QR FOR
• LOCATION
• ROUTE MAP
• SITE 360 TOUR
• E-BROCHURE
• WALKTHROUGHKEDIA™
Pavitraपहले सरसों के तेल की झाँझ से
आँखों में आँसू आ जाते थे... अब क्यों नहीं?
आखिर बदला क्या है... सरसों का तेल या हमारी नाक ?

नानी-दादी के ज़माने की वही 0.36 की तेज़ प्राकृतिक झाँझ अब केडिया पवित्र कच्ची घानी सरसों के तेल में !

कोल्ड प्रेस
पहली धार से निर्मित
उच्च गुणवत्ता वाला
कच्ची घानी तेल
तेज झाँझ
(0.36 झाँझ)

कच्ची घानी सरसों तेल
MRP ₹4000.00
15 ltr
MRP ₹300.00
1 ltr

द्विपल फ़िल्टर्ड
सोर्टेक्स क्लीन
मूंगफली दानों
से निर्मित
Low FFA
(0.50 से कम)

द्विपल फ़िल्टर्ड मूंगफली तेल
MRP ₹4000.00
15 ltr
MRP ₹300.00
1 ltr

प्रोडक्ट्स कैटेगरी

आटा | गेहूँ | दाल | चावल | खड़े, पीसे एवं ब्लेंडेड मसाले | ड्राई फ्रूट्स | कुकिंग ऑयल | चाय | पोहा | मिश्री | गुड़ | हींग | मसाला सत्तू | सेंधा नमक सहित कम्प्लीट किचन बास्केट

कॉल लगाओ, गाड़ी बुलाओ

1800 120 2727

अपने नजदीकी रिटेलर और
Zepto पर उपलब्ध !ORDER ON
WEBSITEORDER ON
WHATSAPPORDER ON
APPORDER ON
ZEPTOT&C Apply*
MRP ₹ Incl. of all taxes

विचार बिन्दु

रूप की पहुँच आँखों तक है, गुण आत्मा को जीतते हैं। –पोप

राजस्थान में ट्रैफिक जाम नासूर बन रहा है

राजस्थान, जो अपनी समृद्ध संस्कृति, ऐतिहासिक धरोहर और रंगीन जीवनशैली के लिए जाना जाता है, आज एक गंभीर समस्या से जूझ रहा है। शहरी और ग्रामीण मार्गों पर बढ़ता ट्रैफिक जामा पहले जहाँ सड़क यात्रा अपेक्षाकृत सुगम और त्वरित मानी जाती थी, अब यातायात जाम इतनी आम बात हो चुकी है कि यह न केवल समय की बर्बादी बन गया है बल्कि यह आर्थिक क्षति, पर्यावरण प्रदूषण और जीवन की गुणवत्ता में गिरावट का कारण भी बन रहा है। यह समस्या केवल बड़े शहरों तक सीमित नहीं रही; छोटे शहर, कस्बे और प्रमुख पर्यटन मार्ग भी इससे प्रभावित हैं। राजस्थान के विभिन्न हिस्सों में बढ़ते वाहन, अव्यवस्थित पार्किंग, संकरे मार्ग, सार्वजनिक परिवहन की कमी और अनुचित ट्रैफिक प्रबंधन ने जाम को नासूर का रूप दे दिया है। इसे गंभीरता से लिया जाना चाहिए क्योंकि इसका प्रभाव केवल यात्रा तक सीमित नहीं है। स्वास्थ्य, व्यवसाय और सामाजिक गतिशीलता भी प्रभावित हो रही हैं।

ट्रैफिक जाम का सबसे प्रत्यक्ष प्रभाव समय की हानि है। प्रतिदिन कार्यस्थल, विद्यालय, अस्पताल तक पहुंचने में लोग घंटों फंसे रहें। यह समय हानि व्यक्तिगत उत्पादकता को कम करती है और कार्यालय, दुकानें, और सेवाओं के संचालन को बाधित करती है। खासकर कामकाजी वर्ग और छोटे व्यवसायियों के लिए यह नुकसान सीधे आर्थिक घाटे में बदल जाता है। ट्रैफिक जाम के कारण उपलब्ध समय में कटौती से परिवारिक जीवन और सामाजिक गतिविधियों पर भी विपरीत प्रभाव पड़ता है। लोग थके हुए और तनावग्रस्त होकर घर पहुंचते हैं, जिससे पारिवारिक मेलजोल दू-धालीव हो जाता है।

आर्थिक दृष्टि से भी जाम गंभीर समस्या है। ईंधन की बर्बादी, माल ढुलाई में देरी, और समय पर सेवाओं के न मिलने से व्यापारिक लायन बढ़ जाती है। परिवहन-लॉजिस्टिक्स पर निर्भर उद्योगों में डिलीवरी-समय का अनियंत्रित बढ़ना आपूर्ति श्रृंखलाओं को प्रभावित करता है। छोटे व्यापार जो ताजा सामान (फल, सब्जी, दूध) पर निर्भर करते हैं, उन्हें नुकसान होता है क्योंकि समय पर डिलीवरी न होने से माल खराब हो सकता है। इसके अलावा, जाम के कारण सार्वजनिक परिवहन की विवसनीयता घटती है और लोग निजी वाहनों का उपयोग बढ़ा देते हैं, जिससे समस्या और जटिल होती जा रही है।

पर्यावरण और स्वास्थ्य पर भी ट्रैफिक जाम का बुरा असर होता है। लंबी अवधि तक चलने वाली देरी वाहन उत्सर्जन को बढ़ाती है कारों और दोपहिया वाहनों का इंजन खराबी के साथ चलते रहने पर हवा में सल्फर, नाइट्रोजन ऑक्साइड और सूक्ष्म कण (2.5, 10) का स्तर बढ़ता है। यह न केवल शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में वायु प्रदूषण को तीव्र करता है बल्कि श्वसन रोगों, हृदय-सम्बंधी समस्याओं और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं में वृद्धि करती है। राजस्थान जैसे सुखाग्रस्त और शुष्क वातावरण वाले स्थानों पर वायु गुणवत्ता का और बिगड़ना सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिये चिंता का विषय है।

ट्रैफिक जाम की चूड़ कई कारणों में निहित हैं। सबसे महत्वपूर्ण कारणों में बढ़ती आबादी और वाहन संख्या है। पिछले दशक में निजी वाहनों, विशेषकर टू-व्हीलर और छोटे कारों की उपलब्धता और खरीद शक्ति में वृद्धि ने सड़कों पर दबाव बढ़ा दिया है। साथ ही शहरीकरण के कारण लोग शहरों की ओर प्रवास कर रहे हैं; नतीजतन आवासीय और व्यावसायिक क्षेत्र सघन हो रहे हैं जबकि सड़कों का विस्तार उसी अनुपात में नहीं हुआ। पुराने शहर नियोजन, संकरे पुराने मार्ग और एक विकास के लिए पर्याप्त सड़क-नेटवर्क न होना भी बड़ा कारण है।

सार्वजनिक परिवहन की अप्रत्यक्षता और असुविधा राजस्थान के कई शहरों में बस-सेवा अव्यवस्थित या अपर्याप्त है समय-सारिणी, आवृत्ति और मार्गों की योजना प्रभावी नहीं है। लोग समय की पाबंदी और सुविधा के कारण निजी वाहन चुनते हैं। तीसरा कारण पार्किंग की कमी और अवैध पार्किंग है। व्यापारिक क्षेत्रों और बाजारों में वाहन अक्सर सड़कों के किनारे खड़े रहते हैं, जिससे गति कम होती है और मार्ग संकरे हो जाते हैं। सड़क संरचना और सिग्नलिंग की कमी है, कई जगहों पर जंक्शन और चौराहों पर उचित ट्रैफिक सिग्नल, लेन मार्किंग और मोड़ के लिए अस्थायी जगह नहीं है। कुछ स्थानों पर लोकल मार्केट, स्कूल और सरकारी दफ्तारों के सामने सड़कें छोटी पड़ जाती हैं, जो जाम को आम बनाती हैं।

पर्यावरण और स्वास्थ्य पर भी ट्रैफिक जाम का बुरा असर होता है। लंबी अवधि तक चलने वाली देरी वाहन उत्सर्जन को बढ़ाती है कारों और दोपहिया वाहनों का इंजन खराबी के साथ चलते रहने पर हवा में सल्फर, नाइट्रोजन ऑक्साइड और सूक्ष्म कण (2.5, 10) का स्तर बढ़ता है। यह न केवल शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में वायु प्रदूषण को तीव्र करता है बल्कि श्वसन रोगों, हृदय-सम्बंधी समस्याओं और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं में वृद्धि करती है।

करना होगा। इसमें प्रमुख शहरों में स्मार्ट ट्रैफिक सिग्नल, बेहतर लेन-डिजाइन, फ्लाईओवर, रिंग रोड और सड़कों का चौड़ीकरण शामिल है। परन्तु केवल सड़कों का चौड़ीकरण पर्याप्त नहीं है; दीर्घकालिक योजना में सार्वजनिक परिवहन का सशक्तिकरण आवश्यक है। अपने-आप में बेहतर बस-नेटवर्क, बीआरटी (बस रैपिड ट्रांज़िट) जैसे विकल्प, और इंटरसिटी कनेक्टिविटी सुधार कर निजी वाहन पर निर्भरता कम की जा सकती है।

मजबूत और धरोसेमंद सार्वजनिक परिवहन के साथ-साथ पार्क-रैड-राइड सुविधाएँ, साइकिल लेन और पैदल चलने वालों के लिए सुरक्षित फुटपाथ विकसित करने चाहिए। छोटे शहरों और कस्बों में भी साइकिल तथा ऑटो-रिक्शा जैसे लास्ट-माइल विकल्पों को व्यवस्थित करने से हालात सुधर सकते हैं। पार्किंग प्रबंधन के लिये डिजिटल प्रणालियाँ, स्मार्ट पार्किंग और पार्किंग सुधार का विवेकपूर्ण उपयोग व्यवहार बदल सकता है, जिससे सड़क किनारे पार्किंग में कमी आएगी और मार्ग खुलेगें।

ट्रैफिक नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के लिये ई-निगरानी और एनफोर्समेंट जरूरी है। सीसीटीवी, रेड-लाइट कैमरा, और चालान-अधारित दंड व्यवस्था से नियमों के उल्लंघन पर तुरंत कार्रवाई हो सकती है। इसके साथ ही स्थानीय प्रशासन को सड़क निर्माण या मरम्मत के दौरान वैकल्पिक मार्ग और सुव्यवस्थित सूचना देनी चाहिए ताकि नागरिक पूर्व तैयारी कर सकें। न केवल दंड व्यवस्था, बल्कि जागरूकता अभियानों से नागरिकों की सोच बदलना जरूरी है, स्कूलों, कॉलेजों और सामाजिक संगठनों के माध्यम से सुरक्षित और व्यवस्थित ड्राइविंग की शिक्षा दी जाए।

टेक्नोलॉजी का उपयोग भी अहम भूमिका निभा सकता है। स्मार्ट सिटी पहल के तहत ट्रैफिक डेटा का विश्लेषण कर समायुक्तूल ट्रैफिक नियंत्रण, रियल-टाइम सूचना और यातायात के वैकल्पिक मार्ग सुझाए जा सकते हैं। मोबाइल ऐप्स और नेविगेशन सेवा प्रदाताओं के साथ तालमेल करके ड्राइवरों को जाम से बचने के उपाय सुझाए जा सकते हैं। इलेक्ट्रिक वाहन अपनाने को बढ़ावा देने से प्रदूषण में कमी आएगी, परंतु इसके साथ चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर और नियोजन भी आवश्यक है ताकि नए वाहन और चार्जिंग स्टेशन ट्रैफिक का नया बोझ न बनें।

नियोजन और नीतिगत स्तर पर जरूरी है कि विकास योजनाएँ क्षेत्रीय और समन्वित हों। भूमि उपयोग नीति, आवासीय और वाणिज्यिक विकास, और परिवहन योजनाएँ आपस में जुड़ी रहें। शहरों के वृद्धि मानचित्रों और ट्रैफिक प्रक्षेपणों के आधार पर रोड नेटवर्क और सार्वजनिक परिवहन का पूर्व-निर्धारण करने से भविष्य में होने वाली जाम की गंभीरता घटाई जा सकती है। इसके लिए पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप के जरिए निवेश, और राज्य सरकार के महत्वाकांक्षी परिवहन योजनाओं को तेजी से लागू करना आवश्यक है।

समाज की भूमिका भी अन्देशा नहीं किया जा सकता। नागरिक समन्वय समितियाँ, व्यापार संघ और स्कूल-स्तर पर समय सारिणी समायोजन (जैसे स्कूल शुरू होने के समये में फेरबदल) जैसे स्थानीय कदम भी जाम को कम सकते हैं। त्यौहार और बड़ी सार्वजनिक गतिविधियों के समय ट्रैफिक मैनेजमेंट के लिये विशेष टीमें और स्वयंसेवकों का उपयोग प्रभावी परिणाम दे सकता है। स्थानीय मीडिया और विज्ञापन के माध्यम से जागरूकता फैलाने से नागरिकों में अनुचित पार्किंग और गैरकानूनी ड्राइविंग के रूप में सामाजिक दंड बन सकता है।

राजस्थान में ट्रैफिक जाम का निवारण केवल तकनीकी और वित्तीय उपायों तक सीमित नहीं है। यह सामाजिक व्यवहार में बदलाव, नीतिगत दृढ़ता और दीर्घकालिक योजना का संघर्ष मांगता है। जब तक हम सार्वजनिक परिवहन को विवसनीय और सुविधाजनक नहीं बनाएंगे, तब तक निजी वाहनों की बढ़ती संख्या और उसके परिणाम बने रहेंगे। इसी तरह, जब तक नागरिक नियमों का सम्मान करना और साझा समाधान अपनाना नहीं सीखेंगे, तब तक छोटे-छोटे उपाय भी स्थायी प्रभाव नहीं डाल पाएंगे।

ट्रैफिक जाम को नासूर मानकर हल करना तभी संभव है जब राज्य सरकार, नगर निगम, नागरिक समाज और निजी क्षेत्र मिलकर एक समग्र दृष्टि के साथ कार्य करें। रोड इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश, स्मार्ट ट्रैफिक मैनेजमेंट, सख्ती और धरोसेमंद सार्वजनिक परिवहन तथा नागरिक जागरूकता ये चार स्तम्भ मिलकर ही इस समस्या को जड़ से मिटा सकते हैं। यदि आम हम सक्षम रूप से कदम नहीं उठाएंगे, तो आने वाले वर्षों में बढ़ती आबादी, यात्री और वाहन राजस्थान की सड़कों को और अधिक घुटनपूरन बना देंगे। इसलिए समय रहते योजनाबद्ध, समन्वित और टिकाऊ उपाय अपनाना अब प्राथमिकता होनी चाहिए।

—अतिथि संपादक,

अविनाश जोशी,

वरिष्ठ पत्रकार एवं कॉर्पोरेट सलाहकार



प्रो. डॉ. राजीव सक्सेना

कहानियों के मील का पत्थर भीष्म पितामह, पुरोधा, महा झ्रमर, सुमेरू पर्वत, जामवन्त, कायस्थ-कुल गौरव रत्न, हिन्दी व उर्दु भाषा के शेक्सपियर व जन्मजात प्रतिभा युक्त मुंशी प्रेमचन्द जी, जो कि महानतम कहानीकार व उपन्यास सम्राट तथा एक महाकवि थे। सीधी सादी गंभीर बेलौस बेमरुव्वत व बेमोहब्बत, प्रभावी शकल के मालिक जिनका नाम धनपत राय भी था, जो कि बिल्कुल गंवई, कस्बाई, भुच्च शकल व सांवले रंग के मालिक, जो सामान्यत बंद गाढ़े का कुर्ता पजामा तथा चमरीबीं जुता पहन्ते थे जो चर्च-चर्च की आवाज करते थे, एक अलग ही शख्सियत, व्यक्तित्व था, जो कि लोगों पर आसानी से हावी हो जाता था। मुंशी जी 31 जुलाई, 1880 को वाराणसी के लमही गाँव में जन्मे थे। परमादरणीय व अति सम्माननीय मुंशी जी को लेखनी हिन्दी व उर्दु दोनों भाषाओं में लाजवाब थी, त्वरित व समान चलती थी व आज भी एक वैश्विक व अन्तराष्ट्रीय पहचान बनी हुई है।

प्रेमचन्दजी ने समकालिन व सामयिक व यथार्थ परख जमीनी दुनिया से जुड़े हुए विषयों पर लगभग 300 से ज्यादा कहानियाँ लिखी व 15 के आसपास उपन्यास, 10 अनुवाद, 7

मुंशी प्रेमचंद - फटे जूते और फकीराना



गोवर्धन दास बित्राणी

बंगाल के प्रसिद्ध साहित्यकार शरतचन्द्र चट्टोपाध्यायजी ने मुंशी

प्रेमचंद जी के बेहतरीन उपन्यासों और कहानियों को देखकर उन्हें ‘उपन्यास सम्राट’ की उपाधि दी थी। इसलिए ‘उपन्यास सम्राट’ मुंशी प्रेमचंद पर बहुत कुछ लिखा जा सकता है। अतः संक्षेप में, साहित्य को समाज का दर्पण बताते हुवे कथा सम्राट मुंशी प्रेमचंद जी ने जैसा बताया उसका निचोड़ इस प्रकार है –

- साहित्य समाज को अपने किये हुए कार्य को सही आइना दिखाने का काम करता है।
- साहित्य समाज को अच्छकार से प्रकाश की ओर ले जाता है।
- भटकरते हुए समाज को सही दिशा दिखाता है अर्थात हम कहें है और कहाँ तक दूरी तय करनी है।
- साहित्य में सबका हित



प्रो .कैलाश सोडानी

हजारों वर्षों से भारत एक कृषि प्रधान देश रहा है। शुद्ध प्राकृतिक पद्धति के माध्यम से ही देश ने कृषि के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाई है। जैविक कृषि ही भारत की पहचान रही है। जिस भूमि पर हमें वर्षों-वर्षों तक खेती करना है, अतः उसके उपजाऊवन को जीवित रखना हमारा प्राथमिक कर्तव्य है।

उत्पादित होने वाली खाद्य सामग्री को उपभोग करने वाले मनुष्य एवं जानवर दोनों के स्वास्थ्य के अनुकूल होना भी आवश्यक है। साथ ही पर्यावरण की पवित्रता भी बनी रहनी

चाहिये। इसी जैविक खेती के आधार पर कभी भारत आर्थिक दृष्टि से दुनिया में समृद्ध देश था। पिछले 50-60 वर्षों में कृषि उत्पादन की मात्रा को तेजी से बढ़ाने के भंवरजाल में रासायनिक खादों का उपयोग बेहिसाब बढ़ गया। प्रारम्भ में उत्पादन अभिवृद्धि से किसान की आय में भी इजाफा होने लगा। वैसे यह अल्पकालीन था। तत्कालीन समय देश अनाज एवं अन्य खाद्य पदार्थों के अभावको भी झेल रहा था। ऐसे समय में स्वयं किसान एवं देश को येन-केन प्रकार से कृषिजन्म खाद्य पदार्थों के उत्पादन की मात्रा में अभिवृद्धि आवश्यक लग रही थी। अनाज की कमी से पीड़ित भारत को आयात पर निर्भर रहना पड़ रहा था। परिस्थितियाँ इस प्रकार की थी कि रासायनिक खादों के उपयोग से खाद्य उत्पादन में अभिवृद्धि आवश्यक थी। फिर धीरे धीरे रासायनिक खाद हर खेत की आवश्यकता हो गयी। उत्पादन में वृद्धि सभी को अच्छी लगने लगी।

इस खेल में हमारे देश में विकसित होती हुई पाश्चात्य सोच की भूमिका भी जिम्मेदार है। इसी सोच

व कवि भी थे। उर्दू भाषा में वो नवाबराय के नाम से लिखते थे। उन्होंने हिन्दी कहानियों, उपन्यास, रचनाओं व हिन्दी साहित्य को नये विविधा विविध बहु आयाम दिये। 1923 में उन्होंने सरस्वती प्रेस की स्थापना की व 1930 में ‘हंस पत्रिका’ का प्रकाशन शुरू किया। साथ ही साथ कई प्रतिष्ठित पत्रिकाओं का संपादन भी किया, उनमें प्रमुखतः— ‘हंस, जागरण, मर्यादा तथा माधुरी’ जैसी पत्रिकाएँ भी थी।

लगभग 300 से ज्यादा लिखी कहानियों में आम आदमी की लिज लिजी चुनरी, गरीबी-अमीरी व उनकी जिन्दग, घुटन, प्रतिशोध, कसक, अंधविश्वास, दंग व धर्मड तथा रूढ़िवादी परंपराओं पर भरपूर प्रहार किया व हरेक जन व पाठकों को सोचने पर मजबूर किया। साथ ही साथ मानवीय मूल्यों की भी सहेज कर रखा जो उनकी कहानियों में स्प-नवजयउत परिलक्षित व प्रभावी होते दिखते है। 1910 की घटना के बाद उनके परम मित्र दया नारायण निगम जो कि जमाना’ अखबार के संपादक थे, उन्होंने, उन्हें प्रेमचन्द नाम से लिखने की सलाह दी तब उन्होंने नवाबराय नाम के बजाय प्रेमचन्द नाम से लिखना शुरू किया।

20वीं सदी के भारत में 1935 तक, उस दौरान जातिवाद, छुआछूत, संकीर्णता की भावना, साम्प्रदायिक संकीर्णता, ऊँच-नीच का भेदभाव, गरीबों मजदूरों व श्रमिको का शोषण तो चलता ही था तथा इन सबसे अलग व विशेषकर महिलाओं को हेय व हीनदृष्टि से देखना अपने सर्वोच्चतम शिखर पर था। उस समय अंग्रेजों व फ्रिरीयों के राज मे अंग्रेज लोग यही सोचते थेकि साहित्य लिखना, समझना व पढ़ना सिर्फ अंग्रेजों को ही आता है या उन्ही का ये सर्वसिद्ध अधिकार है। इस विषम काम में एक अवाज व लेखनी प्रेमचन्द जी के रूप में ऐसी

निकली, जिसकी गूंज आज तक गूंज रही है, लिखी व बोली जिन्होंने पूरे अंग्रेजी राज के साहित्यकारों व लेखकों को हिन्दी में अपनी कहानियां व उपन्यास लिखकर संपूर्ण टक्कर दी व उन्हें सोचने, विचारने पर मजबूर किया। ‘पंच परमेश्वर’ कहानी में जुम्मन शेख व अलगू चौधरी के माध्यम से सत्य अंहिसा व इंसाफ की जीत को दिखाया ना कि दोस्ती के पक्षपात को। नाटक ‘कर्बला’ में हिन्दू-मुस्लिम शक्ति व एकात का संदेश दिया। प्रेमचन्द जी ने ‘निर्मला’ उपन्यास में विधवा विवाह का समर्थन किया तो उन्होंने उसे अपने जीवन में उतारा तथा स्वयं का विवाह शिवरानी देवी (जो कि स्वयं एक बाल विधवा थी) से काके व्यवहार में उसे सिद्ध व लागू किया।

उस काल में उन्होंने सम सामयिक विषयों पर व सारी प्रचलित समस्याओं व मान्यताओं को सामने रखकर लिखा। ‘सेवा सदन’ (बाजार-ए-हुस्न), गबन, निर्मला, प्रेमाश्रम, कर्मभूमि, रंगभूमि जैसे अनेकों उपन्यास लिखे, जिनकी आज भी कोई कानि नही है।

‘गोदान’ उपन्यास तो पूरे ग्रामीण जीवन व परिवेश तथा रूढ़िवादी प्राचीन परंपराओं को दर्शाता, दिखाता है। उन्होंने सामाजिक कुरुक्तियों, अंधविश्वास व ग्रामीण समस्याओं से निकलकर लोगों को अपनी लेखनी के माध्यम से बताया, समझाया व लोहा मनवाया। प्रेमचन्द जी संभवतः सदी के प्रथम ऐसे रचनाकार व साहित्यकार थे, जिन्होंने उपन्यास, कहानी व कथा लेखन को कपोल-कल्पित कल्पनाओं तथा कल्पनालोक के प्रभाव से निकलकर व लोगों को निकालकर आमजनों को वास्तविकता व जमीनी हकीकतों व विशुद्ध यथार्थ से अवगत करवाया।

उन्होंने सरल, सहज व सामान्य, जन साधारण वेशभूषा का उपयोग किया

समाज की कल्पना समाहित है।

मुंशी प्रेमचंदजी की रचनाएँ सामाजिक यथार्थ को चित्रित करती हैं और उनके कथ्य में न केवल मानवता, नैतिकता और समाज की समस्याएँ प्रमुख रूप में मिलती हैं बल्कि उनहूँके आचरण में भी परिलक्षित हुवे हैं।

उदाहरण के तौर पर आप जब उनका अपनी पत्नी के साथ फोटो को देखते हैं तब पाते हैं कि वे फटे जूते पहने हुये हैं।

इस फोटो को देखकर हिन्दी साहित्य के सबसे महत्वपूर्ण लेखकों में से एक हरिशंकर परसाई जी ने एक लेख लिखा था जिसमें उन्होंने कहा था –

अ “सोचता हूँ-फोटो खिंचवाने

की अगर यह पोशाक है, तो पहनने की कैसी होगी ?”

व नहीं, इस आदमी की अलग-अलग पोशाकें नहीं होंगी-इसमें पोशाकें बदलने का गुण नहीं है। यह जैसा है, वैसा ही फोटो में खिंच जाता है।

स यह पोशाक बदल भी नहीं सकता क्योंकि इन्हें भारत की जनता के मर्म को छुआ है इस की पोशाक के पीछे गोदान जैसे महाकाव्य की आदरांजली भी तो है।

अब अन्त में कथा-उपन्यास की दुनिया के सबसे प्रसिद्ध हस्ताक्षर मुंशी प्रेमचंद जी को जन्म – जयन्ती पर श्रद्धा पूर्वक शत-शत नमन करता हूँ ।

गोवर्धन दास बित्राणी

‘राजा बाबू’

जैविक खेती की ओर बढ़ना होगा

के प्रभाव में हम भारतीय परम्पराओं एवं शोध को कमजोर मानने लग गये। तुलनात्मक रूप से पाश्चात्य विचारों को हमारे से प्रभावी मानने के चक्कर में गोबर की खाद को भूलने लग गये। यहीं से भाषा एवं वेशभूषा की भाँति खेती में भी गलत मार्ग पर आगे बढ़ने लग गये। धीरे-धीरे फसलों के उत्पादन में अभिवृद्धि के साथ-साथ पर्यावरणीय क्षति की कीमत भी चुकानी पड़ने लगी। निरन्तर रासायनिक उपकरणों के उपयोग से भूमि की उपजाऊपन में कमी, पोषक तत्वों के असंतुलन तथा उत्पादन लात में वृद्धि जैसी समस्याएँ सामने आयीं। ऐसी खाद्य सामग्री व्यक्ति के स्वास्थ्य की दृष्टि से भी अनुकूल नहीं थी। कृषि वैज्ञानिकों के लिए यह चिन्ता एवं शोध का विषय हो गया। कृषि के उत्पादन वृद्धि के लिए रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों के असन्तुलित उपयोग तथा जैविक खेतों के नगण्य प्रयोग के कारण कृषि उत्पादों की गुणवत्ता, मानव स्वास्थ्य तथा पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव के रूप में एक नई समस्या सामने आयी। रासायनिक अवशेषों से युक्त खाद्य पदार्थों के लम्बे समय

तक सेवन से अनेक स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्याएँ सामने आने लगी। पशुओं के स्वास्थ्य की भी प्रतिकूल प्रभाव दिखाई देने लगा।

परिणाम एवं परिस्थितियों के कारण अब लोगों को समझ में आने लग गया कि हमें जैविक खेती की ओर ही बढ़ना होगा। समाज में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता ने भी जैविक कृषि के महत्व को बढ़ा ाया है। उपभोक्ता अधिक कीमत देकर भी जैविक उत्पाद को प्राथमिकता देने लग गये हैं। कम मात्रा में उत्पादन के बावजूद कुल कीमत रासायनिक उर्वरकों से युक्त उत्पादन से अधिक मिलने लग गयी। 2०16 में सिक्किम देश का पहला पूर्ण जैविक राज्य बन गया। राज्य में रासायनिक उर्वरकों एवं रासायनिक कीटनाशकों का उपयोग पूर्णतया समाप्त कर दिया गया। दुनिया के 180 देशों ने जैविक कृषि को अपनाया जा रहा है।

जैविक खेती करने वाले किसानों की संख्या के आधार पर भारत दुनिया के पहले स्थान पर है। क्षेत्रफल के आधार पर दूसरे स्थान पर है। जैविक खाद्य पदार्थों की लोकप्रियता और अधिक बाजार मूल्य के कारण इस

क्षेत्र में लोग धोखाधड़ी करने लग गये हैं। उपभोक्ताओं को सावधान रहना होगा क्योंकि कुछ व्यापारी रासायनिक कृषि उत्पादों को जैविक उत्पाद बताकर अधिक कीमत पर बेच रहे हैं।

इस सम्बन्ध में सरकार के कठोर नियंत्रण की आवश्यकता है। जैविक कृषि को स्याई, स्वास्थ्य-वर्धक एवं पर्यावरण के अनुकूल कृषि प्रणाली माना जाता है, फिर भी दुनिया के अधिकांश देशों में आर्थिक एवं बाजार सम्बन्धी चुनौतियों के कारण रासायनिक कृषि को आज भी प्राथमिकता दी जा रही है। जैविक प्रमाणन की प्रक्रिया भी बड़ी जटिल है। जैविक उत्पाद के क्रय-विक्रय के लिए अलग से मंडियाँ नहीं हैं। किसानों को तकनीकी ज्ञान की जानकारी नहीं है। उपरोक्त समस्याओं के बावजूद समाज को रासायनिक खेती को छोड़ना होगा। स्वस्थ एवं सुरक्षित भोजन, मिट्टी एवं जल की गुणवत्ता बनाये रखने के लिए जैविक उत्पाद की ओर ही आगे बढ़ना होगा।

—प्रो. कैलाश सोडानी, पूर्व कुलगुरु, वर्धमान महावीर खुला विवि, कोटा।



पंडित अनिल शर्मा

है। आज अशुन्य शयन व्रत, जया पार्वती व्रत, जागरण है। पंचक प्रातः 6:38 से आरम्भ होगी।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कर्क, चन्द्रमा-मकर, मंगल-वृष, बुध-मिथुन, गुरु-कर्क, शुक्र-सिंह, शनि-मीन राहु-कुम्भ, केतु-सिंह **श्रेष्ठ चौघड़िया:** चर सूर्योदय से 7:34 तक, लाभ-अमृत 7:34 से 1०:53 तक, शुभ 12:33 से 2:13 तक, चर 5:32 से सूर्यास्त तका **राहूकाल:** 1०:3० से 12:०0 तक। सूर्योदय 5:54, सूर्यास्त 7:12

राशिफल

शुक्रवार 31 जुलाई, 2026

सावन मास, कृष्ण पक्ष, द्वितीया तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2०83, धनिष्ठा नक्षत्र सायं 7:27 तक, सीमाथय योग रात्रि 11:54 तक, तैत्तिलिक पुराण दिन 1०:०1 तक, चन्द्रमा आज प्रातः 6:38 से कुम्भ राशि में संचार करेगा।

राजयोग सूर्योदय से सायं 7:27 तक है। आज अशुन्य शयन व्रत, जया पार्वती व्रत, जागरण है। पंचक प्रातः 6:38 से आरम्भ होगी।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कर्क, चन्द्रमा-मकर, मंगल-वृष, बुध-मिथुन, गुरु-कर्क, शुक्र-सिंह, शनि-मीन राहु-कुम्भ, केतु-सिंह **श्रेष्ठ चौघड़िया:** चर सूर्योदय से 7:34 तक, लाभ-अमृत 7:34 से 1०:53 तक, शुभ 12:33 से 2:13 तक, चर 5:32 से सूर्यास्त तका **राहूकाल:** 1०:3० से 12:०0 तक। सूर्योदय 5:54, सूर्यास्त 7:12



मेेश

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए/दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटक हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक यात्रा संभव है। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।



तुला

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।



वृष

व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने व्यावसायिक कार्य लगेगी। शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।



वृश्चिक

घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होगा।



मिथुन

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है।



धनु

परिवार में शुभ-मांगलिक संदेश प्राप्त हो सकते हैं एवं महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।



कर्क

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। व्यक्तिगत परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी। स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। यात्रा में दुर्घटना का भय है।



मकर

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आय में वृद्धि होगी। अटक हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। आज परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।



सिंह

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।



जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com



बीकानेर

Rashtradoot

फोन:- 2200660 फैंक्स : 0151-2527371

वर्ष: 47

संख्या: 368

प्रभात

बीकानेर, शुक्रवार 31 जुलाई, 2026

डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22

पृष्ठ 8

मूल्य 2.50 रु.

एक तरफ प्रधानमंत्री और सरकार की प्रदर्शनकारी छात्रों से बात करने की कोशिश की सोच है

दूसरी ओर भाजपा के ही कुछ वरिष्ठ नेता, जिनमें यूपी की राज्यपाल आनंदी बेन भी शामिल हैं, आंदोलनरत छात्रों को गैरसंस्कारी बता रहे हैं, यहाँ तक कि बड़े भदे शब्दों में परिभाषित कर रहे हैं

–श्रीनंद झा–

–राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो–

नई दिल्ली, 30 जुलाई। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल अब भाजपा और आरएसएस के उन नेताओं की सूची में शामिल हो गई हैं, जिन्होंने दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे जेन ज़ेड प्रदर्शनकारियों के आचरण और भाषा की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनकारियों का आचरण "भारतीय मूल्यों के अनुरूप नहीं था और इससे समाज को शर्मिंदगी उठानी पड़ी।"

इससे पहले केरल के हिंदुत्व विचारक टी. जी. मोहनदास और मंडी से भाजपा सांसद कंगना रनौत सहित, कई नेताओं ने भी छात्र प्रदर्शनकारियों की आलोचना की थी। उनका कहना था कि प्रदर्शन के दौरान अशोभनीय भाषा का इस्तेमाल किया गया, जिसका बड़ा हिस्सा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ था।

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल ने आज कहा कि प्रदर्शनकारियों द्वारा इस्तेमाल की गई भाषा ने "पूरे समाज का सिर शर्म

- यह दुविधा सोची समझी रणनीति है या विचारों में वाकई में मतभेद होने का संकेत है।

- अगर इस दुविधा का हल नहीं ढूंढा गया तो आंदोलन और उग्र हो सकता है और उसके परिणाम सभी के लिए दुखदायी हो सकते हैं।

से झुका दिया।" उन्होंने कहा, "जो कुछ भी कहा गया, वह हमारी संस्कृति और परंपराओं के अनुरूप नहीं था।" राज्यपाल ने कहा कि बेटियों को वेद, उपनिषद, भगवद्गीता और रामायण जैसे ग्रंथों का अध्ययन करना चाहिए, ताकि उनमें अच्छे संस्कार और नैतिक चरित्र का विकास हो।

विर्दबना यह है कि ये टिप्पणियां प्रदर्शनकारी छात्रों के साथ बातचीत और सामंजस्य बनाने की केन्द्र सरकार की नीति से अलग दिखाई देती हैं। यह अंतर साफ नजर आता है। एक ओर केन्द्र सरकार ने व्यवहारिक रुख अपनाते हुए, बातचीत, समझौते और अंततः आंदोलन की प्रमुख मांगों को स्वीकार करने की इच्छा दिखाई, जो संवाद और

तनाव कम करने की संस्थागत सोच को दर्शाता है। दूसरी ओर, भाजपा और आरएसएस से जुड़े कुछ नेताओं ने टकरावपूर्ण, नैतिक उपदेश देने वाला और कई बार हिंसा का समर्थन करने तथा हिंसा को जरूरी समझने वाला रुख अपनाया। उन्होंने युवा प्रदर्शनकारियों को सामाजिक रूप से पतित बताया तथा उनके खिलाफ घातक बल प्रयोग की बात कही। यह अंतर दिखाता है कि जहां सरकार आधिकारिक स्तर पर संतुलित राजनीतिक प्रबंधन की नीति अपना सकती है, वहीं उसके वैचारिक समूहों के कुछ लोग असहमति के खिलाफ सांस्कृतिक और ध्ववीकरण वाली भाषा का इस्तेमाल करते रहते हैं। इस पूरे घटनाक्रम में, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता

की सीमाओं और युवाओं के असंतोष से निपटने के तरीके को लेकर कई सवाल आज भी अनुत्तरित हैं।

सबसे तीखा हमला केरल के हिंदुत्व विचारक और आरएसएस से जुड़े भाजपा के पूर्व बौद्धिक प्रकोष्ठ प्रमुख टी. जी. मोहनदास की ओर से आया। 26 जुलाई के आसपास जारी किए गए अपने यूट्यूब वीडियो में उन्होंने कहा कि यदि वे प्रभारी तथा अधिकृत होते तो जंतर-मंतर के चारों ओर चार वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में कर्फ्यू लगा देते, प्रदर्शनकारियों को हटने के लिए तीन बार चेतावनी देते और उसके बाद पुलिस को गोली चलाने का आदेश देते। उन्होंने कहा, "कुछ लोग मर सकते हैं, कुछ लोग हमेशा के लिए दिव्यांग हो सकते हैं (लेकिन) चार घंटे के भीतर स्थिति पूरी तरह शांत हो जाएगी।" उन्होंने यह भी दावा किया कि "वामपंथी, लोकतांत्रिक, धर्मनिरपेक्ष और बहुजन" प्रदर्शनकारियों में शामिल महिलाएं "बलात्कार पसंद करती हैं" और (इसलिये) सामूहिक बलात्कार (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आठ जिलों में स्थाई लोक अदालतों का गठन होगा

जयपुर, 30 जुलाई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश के 8 जिलों में स्थाई लोक अदालतों के गठन का अनुमोदन किया है।

मुख्यमंत्री के निर्णय के अनुसार फलीदौ, डीडवाना-कुचामन, खैरथल–

- मुख्यमंत्री भजनलाल ने फलीदौ, डीडवाना-कुचामन, खैरथल-तिजारा, ब्यावर, बाड़मेर, डीग, कोटपूतली-बहरोड़ और सलूम्बर में लोक अदालतों के गठन का अनुमोदन किया।

तिजारा, ब्यावर, बाड़मेर, डीग, कोटपूतली-बहरोड़ एवं सलूम्बर में स्थाई लोक अदालत खोली जाएंगी। (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दिल्ली सरकार जंतर मंतर पर पैलेट गन से घायलों का इलाज कराये

नई दिल्ली, 30 जुलाई। उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली सरकार को निर्देश दिया है कि वह जंतर-मंतर के विरोध प्रदर्शन के दौरान पैलेट गन से घायल हुए प्रदर्शनकारियों का इलाज कराए। कोर्ट ने प्रदर्शन के दौरान रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) के असलहों के मूवमेंट को संरक्षित रखने का आदेश दिया। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि किसी

- सुप्रीम कोर्ट ने रैपिड एक्शन फोर्स के असलहों के मूवमेंट को संरक्षित रखने का भी आदेश दिया।

विशेष घटना में पैलेट गन के इस्तेमाल की वैधता की जांच की जा सकती है।

उच्चतम न्यायालय ने यह आदेश आईबी के पूर्व निदेशक और पूर्व मुख्य सूचना आयुक्त यशोवर्धन आजाद और दो अन्य पीड़ितों की याचिका पर दिया है। याचिका में पैलेट गन के इस्तेमाल पर प्रतिबंध के साथ ही पीड़ितों को मुआवजा देने की भी मांग की गई है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि 20 जुलाई को संसद मार्च के दौरान कर्नाट प्लेस के पास भारी भीड़ पर नियंत्रण पाने के लिए तैनात आरएएफ ने पहले आंसू गैस और लाठीचार्ज किया। उसके बाद पैलेट से लैस पंप एक्शन गन का इस्तेमाल किया गया।

याचिका में कहा गया है कि बल प्रयोग करने से पहले कोई चेतावनी नहीं दी गई और कई प्रदर्शनकारियों की (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बिना निर्वाचित हुए छः माह से अधिक समय तक मंत्री बने रहने पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

सुप्रीम कोर्ट ने इसके लिए बिहार सरकार को नोटिस भेज कर जवाब मांगा है

–जाल खंभाता–

–राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो–

नई दिल्ली, 30 जुलाई। बिहार के पंचायती राज मंत्री दीपक प्रकाश एक अजीब तरह की जांच का सामना कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की गई है, जिसमें कहा गया है कि वे विधानसभा या विधान परिषद, किसी भी सदन के सदस्य बने बिना मंत्री पद पर बने हुए हैं।

दीपक प्रकाश पूर्व केन्द्रीय मंत्री उपेन्द्र कुशवाहा के पुत्र हैं। उपेन्द्र कुशवाहा की पार्टी आरएलएम, भाजपा की सहयोगी है। इस याचिका पर सुनवाई करते हुए गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बिहार सरकार को यह बताना होगा कि पंचायती राज मंत्री दीपक प्रकाश राज्य विधानसभा या विधान परिषद के सदस्य बने बिना छह महीने से अधिक समय तक मंत्री पद पर कैसे बने रहे।

- यह मामला पंचायती राज मंत्री दीपक प्रकाश का है, वे ना तो विधानसभा के सदस्य हैं, ना ही विधान परिषद के, इसलिए उनके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दर्ज हुई है।

- दीपक प्रकाश पूर्व केन्द्रीय मंत्री उपेन्द्र कुशवाहा के पुत्र हैं, जिनकी पार्टी आरएलएम एनडीए की घटक है।

- दीपक प्रकाश के खिलाफ सोशल एक्टिविस्ट राकेश कुमार सिंह ने याचिका दायर की है, जिसमें दीपक प्रकाश को बिहार की नई सरकार में मंत्री बनाए जाने को चुनौती दी गई है।

- इससे पहले उन्हें 20 नवम्बर 2025 को बिहार सरकार में मंत्री बनाया गया था, वे तब निर्वाचित नहीं थे।

भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत के समक्ष मामले का उल्लेख करते हुए याचिकाकर्ता के

वकील ने कहा कि छह महीने से अधिक समय बीत चुका है, फिर भी दीपक प्रकाश बिहार विधानसभा या विधान

परिषद के लिए निर्वाचित हुए बिना मंत्री बने हुए हैं। उन्होंने शीघ्र सुनवाई की मांग करते हुए कहा, "माई लॉर्ड, अब छह महीने से अधिक हो चुके हैं और वे अब भी मंत्री हैं।"

बिहार सरकार की ओर से पेश वकील ने सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ को बताया कि मामला पहले से ही 27 अगस्त को सुनवाई के लिए लिस्टेड है। उन्होंने सुनवाई की तारीख पहले करने का निर्णय अदालत के विवेक पर छोड़ दिया। इस पर सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि यह पूरी तरह कानून का प्रश्न है और राज्य सरकार को यह स्पष्ट करना होगा कि संविधान के किस प्रावधान के आधार पर किसी ऐसे व्यक्ति को, जो विधानसभा या विधान परिषद का सदस्य नहीं है, छह महीने से अधिक (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राजस्थान

विधानसभा का

सत्र 20 अगस्त से

जयपुर, 30 जुलाई। राजस्थान की सोलहवीं विधानसभा का छठा सत्र आगामी 20 अगस्त से शुरू होगा। इस संबंध में राजस्थान विधानसभा सचिवालय ने गुरुवार को राजपत्र में अधिसूचना प्रकाशित की है। अधिसूचना के अनुसार, राज्यपाल

- राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने अधिसूचना जारी की।

हरिभाऊ बागडे ने संविधान के अनुच्छेद 174(1) के तहत प्राप्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए विधानसभा का छठा सत्र 20 अगस्त को प्रातः 11 बजे राजस्थान विधानसभा भवन, ज्योति नगर, जयपुर में आहूत किया है। विधानसभा के इस सत्र में सरकार विभिन्न महत्वपूर्ण विधेयकों एवं अन्य सरकारी कार्यों को सदन में प्रस्तुत कर सकती है। इसके साथ ही, विपक्ष भी प्रदेश से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर सरकार को घेरने की तैयारी में जुटेगा। (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

CM / K

● ● ● ● ●

⊕

● ● ● ● ●

⊕

● ● ● ● ●

⊕

● ● ● ● ●

CM / K

राजलदेसर में मूसलाधार बरसात से सरकारी अस्पताल में पांच फीट पानी भरा

तेज बारिश से पूरे कस्बे में जलभराव की स्थिति बन गई, कई घरों और दुकानों में भी पानी घुस गया

राजलदेसर, (निसं)। राजलदेसर में गुरुवार सुबह छह बजे से सात बजे के बीच हुई एक घंटे से अधिक की मूसलाधार बारिश ने कस्बे की व्यवस्थाओं की पोल खोल दी। तेज बारिश के चलते पूरे कस्बे में जलभराव की स्थिति बन गई और कई मुख्य मार्गों सहित निचले इलाकों में 2 से 3 फीट तक पानी भर गया।

पानी भरने से लोगों का आवागमन पूरी तरह प्रभावित रहा तथा कई घरों और दुकानों में भी पानी घुस जाने से घरेलू सामान व व्यापारिक प्रतिष्ठानों को नुकसान पहुंचा। बारिश के कारण गांधी चौक, रेलवे स्टेशन रोड, फ्रेंड्स सोसायटी मार्ग, महेंद्र मुनि मार्ग, मेहेंदीपुर बालाजी मार्ग, मुरलाई बस्ती, अंजनी माता मंदिर मार्ग, ढोली बस्ती, वार्ड संख्या 26 और वार्ड संख्या 35 सहित कई क्षेत्रों में भारी जलभराव हो गया। कई स्थानों पर सड़कें तालाब जैसी नजर आईं, जिससे लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। सबसे अधिक प्रभावित राजकीय चिकित्सालय रहा, जहां 4 से 5 फीट तक पानी भर जाने से रोगी भर्ती वार्ड, नर्सिंग क्वार्टर, एक्स-रे कक्ष, प्रयोगशाला, लेबर रूम तथा



राजलदेसर में हुई बारिश से चिकित्सालय में पानी भरने से लोगों को परेशानी की सामना करना पड़ा।

स्टोर रूम में पानी घुस गया। इससे अस्पताल के उपकरण, दवाइयों और अन्य सामग्री को लाखों रुपये के नुकसान की आशंका जताई जा रही है। मरीजों और चिकित्सकर्मियों को भी काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। बारिश के दौरान नगर पालिका की तैयारियों पर भी सवाल खड़े हुए। सुबह करीब 5:30 बजे बिजली आपूर्ति बाधित होने के बाद पंप हाउस

में लगे जनरेटर में डीजल उपलब्ध नहीं होने से जल निकासी का कार्य समय पर शुरू नहीं हो सका, जिसके कारण कई इलाकों में पानी लंबे समय तक जमा रहा। हालांकि अच्छी बारिश से किसानों के चेहरों पर खुशी देखने को मिली। लंबे समय से बारिश का इंतजार कर रहे किसानों ने इसे खरीफ फसलों के लिए लाभदायक बताया। साथ ही

लगातार पड़ रही उमस और गर्मी से भी लोगों को राहत मिली। अधिशासी अधिकारी सीताराम मीणा ने बताया कि जलभराव की स्थिति को देखते हुए नगर पालिका के सभी कर्मचारियों को राहत कार्य में लगाया गया है। जिन क्षेत्रों में घरों में पानी घुस गया है, वहां टैंकर और पंपसेट लगाकर पानी निकासी का कार्य कराया जा रहा है। मुख्य

चूरू में छह जुआरी गिरफ्तार

चूरू, (कासं)। पुलिस थाना रतननगर की टीम ने जुआ खेलते हुए 6 जुआरियों को गिरफ्तार करके उनके कब्जे से 19,900 रुपए जुआ राशि जब्त की है। थानाधिकारी पुलिस थाना रतननगर सुभाषचन्द्र के नेतृत्व में टीम ने गश्त के दौरान एनएच 52 सड़क किनारे रोही रतननगर से आरोपी उमर कुरैशी पुत्र जाफर व्यापारी निवासी वार्ड नं. 24 रामगढ़ जिला सीकर, मोहम्मद हारुन पुत्र याकूब व्यापारी निवासी वार्ड नं. 30 रामगढ़ जिला सीकर, मोहम्मद रनजान पुत्र मोहम्मद सलीम तेली निवासी वार्ड नं. 20 रामगढ़ जिला सीकर, लतीफ कुरैशी पुत्र अब्दुल रहमान भिंशरी निवासी वार्ड नं. 30 रामगढ़ जिला सीकर, इलियास पुत्र गुलामनवी व्यापारी वार्ड नं. 30 रामगढ़ पुलिस थाना रामगढ़ जिला सीकर और सलीम पुत्र मोहम्मद यासीन व्यापारी निवासी वार्ड नम्बर 30 रामगढ़ के कब्जे से जुआ राशि जप्त कर प्रकरण दर्ज किया।

लाखों की अवैध शराब जब्त

बीकानेर, (निसं)। आबकारी टीम ने कार्रवाई करते हुए 180 कार्टन अंग्रेजी शराब से भरी पिकअप जब्त की। इस मामले में पुलिस ने एक आरोपी को भी गिरफ्तार किया है। जिससे पूछताछ जारी है। शराब की बाजार कीमत करीब 15 लाख रुपए बताई जा रही है।

जिला आबकारी अधिकारी मनोज बिस्पा ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर जिले के सुमेरपुर क्षेत्र में हाईवे पर टीम मुखबिर की सूचना पर अलर्ट रही। जैसे ही संदिग्ध पिकअप आई तो उसे रोका और तलाशी ली। तलाशी के दौरान पिकअप में चड़्गौढ़ ब्रांड की 180 कार्टन अंग्रेजी शराब मिली। ऐसे में पिकअप और शराब को जब्त किया। मामले में बीकानेर के सोडबाली (लुणकसर) निवासी 40 वर्षीय गिरधारीसिंह पुत्र अमरसिंह को गिरफ्तार किया।

बीकानेर में दो हिस्ट्रीशीटरों के 10 अवैध कब्जों को बुलडोजर से तोड़ा

एक हिस्ट्रीशीटर पर 50 से ज्यादा केस दर्ज, दीवार बनाकर लोहे के गेट लगवा रखे थे

बीकानेर, (निसं)। यहां 2 हिस्ट्रीशीटरों के 10 से ज्यादा अवैध निर्माण को ढहाया गया। आधे घंटे चली कार्रवाई में बीकानेर डेवलपमेंट अथॉरिटी और 2 थानों की पुलिस मौजूद रही। कार्रवाई गंगाशहर इलाके में करमीसर गांव की ओर जाने वाले रास्ते पर की गई। इसमें जमीनों पर बाउंड्री कर लोहे के गेट लगा कर कब्जा किया गया था।

आमीन खान कोर्टगेट थाने का हार्डकोर हिस्ट्रीशीटर है। उसके खिलाफ हत्या, हत्या का प्रयास और हथियार तस्करी के आरोप हैं। पिछले 20 साल से आमीन के खिलाफ हथियार सप्लाई

के मामले दर्ज होते रहे हैं। बीकानेर में उसपर 50 से ज्यादा मामले दर्ज हैं। हसन अली पर चार अलग अलग केस दर्ज हैं, जिसमें वो तीन में अदालत से दोषमुक्त हो चुका है। हसन के खिलाफ 2017 में आर्म्स एक्ट के तहत नयाशहर थाने में मामला दर्ज किया गया था, जिसमें अब तक अदालत में कार्रवाई चल रही है। इसके अलावा बीछवाल थाने में साल 2015 और कोर्टगेट थाने में 1996 में दर्ज मामले में अदालत से दोष मुक्त हो गया। वहीं हत्या के प्रयास का एक मामला सदर थाने में साल 2015 में दर्ज हुआ था। इसमें भी संदेह का लाभ देकर उसे

दोषमुक्त किया गया। जानकारी के अनुसार कोर्टगेट थाने के हिस्ट्रीशीटर आमिर खान और हसन अली से जुड़ी अवैध संपत्तियों और अतिक्रमणों को प्रशासन ने चिन्हित किया था। गुरुवार को बीकानेर विकास प्राधिकरण और पुलिस की संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर ध्वंसीकरण की कार्रवाई शुरू की। कार्रवाई के दौरान सीओ गंगाशहर हिमांशु शर्मा के नेतृत्व में बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। बीडीए के उपायुक्त कुणाल राहड़ और तहसीलदार आकांक्षा गोदारा भी कार्रवाई की निगरानी करते रहे।

कोटा के अस्पताल में मरीज की मौत को लेकर परिजनों का हंगामा

- मामला हाथापाई तक पहुंच गया और डॉक्टर से हाथापाई व धक्का-मुक्की भी की
- परिजनों का आरोप था कि मरीज का बेड बदलकर कोई ध्यान नहीं दिया गया, लापरवाही के चलते मरीज की मौत हो गई

कोई भी ध्यान नहीं दिया गया। लापरवाही के चलते मरीज की मौत हो गई। हंगामे की सूचना पाकर पुलिस भी मौके पर पहुंची और मामले में समझाईश की, वहीं हंगामे के बाद अस्पताल स्टॉफ ने कुछ समय के लिये कामकाज बंद कर दिया। रेजिडेंट डॉक्टर एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉक्टर हेमंत शर्मा ने बताया कि मरीज अमर सिंह को ब्रेन स्ट्रोक, न्यूमोनिया व अन्य कई बीमारी पर न्यू

मेडिकल कॉलेज अस्पताल के आईसीयू वार्ड में डॉ. देवेन्द्र अजमेरा की यूनिट में भर्ती किया गया था। मरीज की तबियत बिगड़ने पर परिजनों को वेन्टीलेटर के लिये कहा, लेकिन परिजनों ने लिखित में वेन्टीलेटर सपोर्ट के लिये इंकार कर दिया। मरीज की तबीयत बिगड़ने पर सीपीआर दिया जा रहा था। पर मरीज की मौत होने पर मृतक के बेटे ने दूसरी यूनिट के एक रेजिडेंट डॉक्टर पर हमला कर

10.28 करोड़ के मादक पदार्थ नष्ट किये

चूरू, (कासं)। पुलिस लाईन चूरू में जिला चूरू के विभिन्न थानों में एनडीपीएस एक्ट की कार्रवाई में जब्त किये गये 10 करोड़ 28 लाख रुपए कीमत के अवैध मादक पदार्थों को पुलिस द्वारा नष्ट किया किया गया।

यहां रिजर्व पुलिस लाइन परिसर चूरू जिला चूरू में पुलिस थाना सालासर 1, राजगढ़ 7, सुजानगढ़ 5, सदर सुजानगढ़ 1, सरदारशहर 3, तारानगर 4, भानीपुरा 3, दुधवाखारा 5, कोतवाली चूरू 3, रतनगढ़ 2, भालेरी 1 एवं हमीरवास 4 प्रकरणों सहित कुल 39 एनडीपीएस एक्ट के प्रकरणों में करीब 26 विबंटल 56 किलोग्राम डोडा-पोल्ट चूरा व छिलका, 67 किलोग्राम गांजा एवं 149220 नशीली टेबलेट को कमेटी द्वारा जलाकर एवं जमीन में दबाकर नष्टीकरण किया गया।

मारपीट कर दी। मामले में पुलिस को भी शिकायत दी, जिस पर मृतक के बेटे को पुलिस ने डिटोन कर कार्यवाही की।

न्यू मेडिकल कॉलेज अस्पताल के अस्पताल अधीक्षक डॉक्टर आशुतोष शर्मा ने कहा कि रेजिडेंट डॉक्टर अस्पताल के वार्ड में राउंड ले रहे थे। एक मरीज की मौत होने पर परिजन ने हंगामा व डॉक्टर से हाथापाई की, मामले में शिकायत पुलिस को दी है।

महावीर नगर थानाधिकारी हेमरेन्द्र सिंह सौदा ने बताया कि न्यू मेडिकल कॉलेज अस्पताल के आईसीयू वार्ड में भर्ती मरीज अमर सिंह की उपचार के दौरान मौत होने पर परिजनों ने हंगामा कर दिया एवं गुस्से में मृतक के बेटे ने डॉक्टर से हाथापाई कर दी।

अलवर में बैंक जा रहे छात्र पर हमला, अपहरण की भी कोशिश

- घटना का वीडियो भी सामने आया, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है
- थार और मोटरसाइकिलों पर सवार युवकों ने छात्र की स्कूटी को टक्कर मारकर मारपीट की

अलवर, (निसं)। अलवर शहर के वैशाली नगर थाना क्षेत्र के खुदनपुरी इलाके में गुरुवार सुबह एक पॉलिटेक्निक छात्र पर दिनदहाड़े हमला करने का मामला सामने आया है। छात्र का आरोप है कि थार और कई मोटरसाइकिलों पर आए बदमाशों ने पहले उसकी स्कूटी को पीछे से टक्कर मारी, फिर सड़क पर गिराकर बेरहमी से मारपीट की। इतना ही नहीं, रिवाल्वर दिखाकर जबरन गाड़ी में बैठाने की भी कोशिश की गई। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

जीके (ग्रुप-सी) एवं साइंस व संस्कृत की मॉडल उत्तरकुंजी जारी

अजमेर, (निसं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा वरिष्ठ अध्यापक (माध्यमिक शिक्षा विभाग) परीक्षा-2025 अंतिगत जीके (ग्रुप - सी) एवं साइंस तथा संस्कृत विषय की मॉडल उत्तर कुंजियां आयोग की वेबसाइट पर जारी कर दी गई हैं। इस संबंध में विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

आयोग के मुख्य परीक्षा नियंत्रक आशुतोष गुप्ता ने बताया कि यदि किसी अभ्यर्थी को इन मॉडल उत्तर कुंजियों पर कोई आपत्ति हो तो निर्धारित शुल्क के साथ 1 से 3 अगस्त 2026 तक अपनी आपत्ति ऑनलाइन दर्ज करवा सकता है। आपत्तियां आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध मॉडल प्रश्न पत्र के क्रमानुसार ही प्रविष्ट करें। उक्त परीक्षा के मॉडल

प्रश्न पत्र आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। साथ ही उक्त परीक्षाओं में सम्मिलित अभ्यर्थियों के अतिरिक्त यदि कोई अन्य व्यक्ति आपत्ति दर्ज करवाता है, तो उस पर कोई विचार नहीं किया जाएगा। आयोग द्वारा प्रत्येक प्रश्न हेतु आपत्ति शुल्क 100 रूपए (सेवा शुल्क अतिरिक्त) निर्धारित किया गया है। अभ्यर्थी एसएसओ पोर्टल पर लॉगिन कर रिक्तमेंट पोर्टल का चयन कर उक्त परीक्षा के लिए उपलब्ध लिंक पर क्लिक कर प्रश्नों पर आपत्तियां दर्ज कराकर प्रति प्रश्न आपत्ति शुल्क 100 रूपए (सेवा शुल्क अतिरिक्त) के हिसाब से कुल आपत्ति शुल्क ई-मित्र कियोस्क अथवा अभ्यर्थी स्वयं भी रिक्तमेंट पोर्टल पर उपलब्ध पेमेंट गेटवे पर भुगतान कर आपत्तियां दर्ज कर सकता है।

छबड़ा के किसानों से कृषि कारोबार के नाम पर 12.50 लाख की ठगी

फर्जी फर्म बनाकर किसानों को शिकार बनाया, पंजाब से आरोपी को गिरफ्तार किया

- आरोपी और उसके साथियों ने फर्जी फर्म बनाकर किसानों को फलदार बगीचा, पॉलीहाउस एवं जैविक खाद की एजेंसी दिलाने का झांसा दिया
- किसानों से नकद और चेक से लाखों रुपये वसूल कर आरोपी फरार

स्थित एक बैंक में खाता खुलवाया और किसानों को खेतों में फलदार पौधों का बगीचा विकसित कराने, पॉलीहाउस स्थापित कराने तथा जैविक खाद की एजेंसी दिलाने का भरोसा दिया।

आरोपियों ने किसानों से नकद और चेक के माध्यम से करीब 12.50 लाख रुपये वसूल किए और बाद में फरार हो गए। जांच के दौरान एफआईआर में दर्ज नाम, पते और मोबाइल नंबर भी फर्जी पाए गए। तकनीकी अनुसंधान और सूचना संकलन के आधार पर पुलिस ने गिराह से जुड़े रघुनाथ गुप्ता निवासी बनकसही, थाना मुन्नावा, जिला बस्ती (उत्तर प्रदेश), हाल निवासी लुधियाना (पंजाब) को गिरफ्तार कर लिया।

आरोपी से पूछताछ के आधार पर गिराह के अन्य सदस्यों की तलाश और उगी के अन्य मामलों की जांच की जा रही है।

महिला सशक्तिकरण के बिना विकसित भारत की कल्पना अधूरी है : राज्यपाल बागड़े

कोटा, (निसं)। कृषि विश्वविद्यालय कोटा एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित द्वि दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला स्वस्थ एवं शिक्षित महिला सशक्त राष्ट्र का शुभारम्भ गुरुवार को स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ एप्लीकल्वर मैनेजमेंट कोटा में राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने किया। कार्यक्रम में देशभर से लगभग 300 वैज्ञानिकों, शिक्षकों, चिकित्सकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों ने भाग लिया।

मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि राष्ट्र निर्माण का आधार केवल आर्थिक विकास नहीं, बल्कि बौद्धिक विकास, ईमानदारी, जिज्ञासा तथा सतत अध्ययन की प्रवृत्ति है। उन्होंने विद्यार्थियों से निरंतर अध्ययन करने, प्रश्न पूछने और भारतीय ज्ञान परंपरा एवं वैदिक शिक्षा के मूल्यों को आत्मसात करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण के बिना विकसित भारत की कल्पना अधूरी है तथा शिक्षित एवं स्वस्थ महिलाएँ ही सशक्त राष्ट्र की आधारशिला हैं।



कोटा में राज्यपाल बागड़े ने राष्ट्रीय कार्यशाला को संबोधित किया।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली के राष्ट्रीय सचिव डॉ. अतुल कोठारी ने कहा कि गरीब एवं वंचित बालिकाओं की शिक्षा राष्ट्र निर्माण की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में संतुलित एवं पोषित आहार के माध्यम

से रोग प्रबंधन पर विशेष बल देते हुए कहा कि उचित भोजन अनेक बीमारियों की रोकथाम एवं नियंत्रण का प्रभावी माध्यम बन सकता है। उन्होंने शिक्षा, संस्कार एवं स्वास्थ्य को राष्ट्र की उन्नति के तीन प्रमुख स्तंभ बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कृषि

- स्वस्थ एवं शिक्षित महिला : सशक्त राष्ट्र राष्ट्रीय कार्यशाला का कोटा में शुभारम्भ हुआ

विश्वविद्यालय, कोटा की कुलपति डॉ. विमला डूकवाल ने कहा कि नारी शक्ति ही राष्ट्र शक्ति है। उन्होंने महिलाओं के सम्मान, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सामाजिक सहभागिता को समावेशी विकास का आधार बताते हुए प्रत्येक बालिका एवं महिला तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधाएँ पहुँचाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि महिलाओं का सशक्तिकरण समाज के सर्वांगीण विकास का मार्ग प्रशस्त करता है।

इस अवसर पर राज्यपाल द्वारा कार्यशाला की शोध पत्र स्मारिका का विमोचन भी किया गया। कार्यशाला के प्रथम तकनीकी सत्र आहार, विहार और महिला में डॉ. नीलांबरी देवे एवं डॉ. मिताबेन राजेश कोटेचा ने महिलाओं के स्वास्थ्य, संतुलित आहार, जीवनशैली,

भारतीय परंपरागत भोजन एवं रोग प्रतिरोधक क्षमता पर विस्तार से प्रकाश डाला। द्वितीय तकनीकी सत्र महिला एवं मानसिक स्वास्थ्य में डॉ. अजीत शर्मा ने मानसिक स्वास्थ्य, तनाव प्रबंधन, भावनात्मक संतुलन तथा बदलती जीवनशैली के प्रभावों पर विस्तृत व्याख्यान दिया।तृतीय तकनीकी सत्र महिला शारीरिक स्वास्थ्य जागरूकता में डॉ. ज्योति शर्मा, डॉ. अनुपमा चतुर्वेदी एवं डॉ. अंजना शर्मा ने महिलाओं के शारीरिक स्वास्थ्य, स्त्री रोगों की रोकथाम, नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, पोषण, स्वच्छता एवं समय पर चिकित्सकीय परामर्श के महत्व पर विस्तृत जानकारी प्रदान की तथा प्रतिभागियों के प्रश्नों के उत्तर भी दिए। कार्यक्रम के दौरान महिला स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा एवं सशक्तिकरण विषयक पोस्टर प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया, जिसका अवलोकन राज्यपाल एवं विशिष्ट अतिथियों ने किया। उन्होंने प्रतिभागियों के नवाचारों एवं वैज्ञानिक प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए शोध को समाजोपयोगी बनाने का आह्वान किया।

- आत्महत्या करने के कारणों का फिलहाल खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की

मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सदर थाना के एएसआई ने बताया कि रोहनवाड़ा निवासी टीना ने इस संबंध में रिपोर्ट दर्ज कराई है। टीना के अनुसार वह खेल पर काम करने गई हुई थी, जबकि उसकी 16 वर्षीय बेटी खुशबू घर पर अकेली थी। खेल से लौटने के बाद जब टीना ने बेटी को आवाज दी और अंदर से कोई जवाब नहीं मिला तो उसने देखा कि दरवाजा अंदर से बंद था। खिड़की से देखने पर खुशबू कमरे में पंखे से फंदे पर लटकती हुई मिली। घटना की सूचना मिलते ही पड़ोसी और पुलिस मौके पर पहुंचे। दरवाजा खोलकर किशोरी को नीचे उतारा गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने शिव को जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया, जहां पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस के अनुसार आत्महत्या के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है और मामला दर्ज कर विभिन्न पहलुओं से जांच की जा रही है।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता,
सार्वजनिक निर्माण विभाग, विद्युत खण्ड, बीकानेर

क्रमांक-अउ/वि. खण्ड/बी / निविदा/2026-27/666

दिनांक -27.07.2026

ई-निविदा सूचना संख्या 21/वर्ष 2026-27
(NIB Code No PWD2627A1799)

निम्न हस्ताक्षर कार्यों द्वारा राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से विद्युतीकरण कार्यों के लिए मोहम्मद निविदादा सा. नि. वि. , राज में सत्रम श्रेणी में पंजीकृत संवेद्यकों से आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रणाली की प्रति अयोध्यास्तारकर्ता के कार्यालय में निविदा आवेदन/डाउनलोड करने की दिनांक 27.07.2026 से 07.08.2026 तक सायं 6.00 बजे तक जमा कराई जा सकती है। तकनीकी निविदा दिनांक 10.08.2026 को प्रातः 11.00 बजे खोली जायेगी। प्री-बिड मीटिंग की दिनांक 04.08.2026 दोपहर 01.00 बजे है। निविदा की अन्य शर्तें एवं स्वीकृत तकनीकी आदि का विवरण किसी भी कार्य दिवस के दौरान इस कार्यालय में उपस्थित होकर देखा जा सकता है। अन्य शर्तें व विवरण इस कार्यालय में व डीपीआर की वेबसाइट www.dipronline.org, <http://sppp.raaj.nic.in> पर देखा जा सकता है। कुल कार्यों की संख्या 05 कुल लागत 56.45 लाख

UBN No.-1.PWD2627WSOB07636, 2.PWD2627WSOB07637, 3.PWD2627WSOB07639
4.PWD2627WSOB07640, 5.PWD2627WSOB07641

(पीयूष सिंह)
अधिशाषी अभियन्ता,
सा.नि.वि. विद्युत खण्ड, बीकानेर

DIPR/C/13256/2026

GOVERNMENT OF RAJASTHAN
OFFICE OF THE ADDITIONAL CHIEF ENGINEER
WATERSHED DEVELOPMENT AND SOIL CONSERVATION JODHPUR
(Near RTO Office, BJS Colony Jodhpur-342066)
E-mail: acewdscc.jodhpur@rajasthan.gov.in

S.No.F/(JACE)-Ju-WDSC/MJSA.2/Bids/2026-27/

Date:

NOTICE INVITING BID
NIB No. – JODHPUR/DIP/PHA/01/2026-27

Bids for Execution of following Watershed Development Works under MJSA 2.2 Scheme of estimated cost as mentioned below are invited from interested bidders up to 14.08.2026, 05.00 PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (<https://eproc.raajasthan.gov.in> or <https://sppp.raajasthan.gov.in>) of the state, and www.watershed.raajasthan.gov.in in departmental website.

Bid No.	Block	Name of Work	Estimated Cost, Rs.in lakhs.	UBN No.
MJSA-2.2/PHA/BAP/01	Bap	Construction of various Water harvesting structures under MJSA 2.2 in Block-Bap, District Phalodi.	341.00	WSC2627WSOB01196
MJSA-2.2/PHA/AJU/02	Aau	Construction of various Water harvesting structures under MJSA 2.2 in Block-Aau, District Phalodi.	309.66	WSC2627WSOB01197
MJSA-2.2/PHA/DECHJ/03	Dachu	Construction of various Water harvesting structures under MJSA 2.2 in Block-Dechu, District Phalodi.	301.70	WSC2627WSOB01198
MJSA-2.2/PHA/GHANTY/04	Ghantiyal	Construction of various Water harvesting structures under MJSA 2.2 in Block-Ghantiyal, District Phalodi.	449.15	WSC2627WSOB01199
MJSA-2.2/PHA/LCHAWAT/05	Lohawat	Construction of various Water harvesting structures under MJSA 2.2 in Block-Lohawat, District Phalodi.	379.00	WSC2627WSOB01200

(Bhagrathi Bishnoi)
Additional Chief Engineer
Watershed Development & Soil Conservation
Jodhpur

DIPR/C/13204/2026

मंदिर और सूने मकानों में चोरी करने वाले दो बदमाश दबोचे

जयपुर । खोराबीसल पुलिस ने मंदिर और सूने मकानों में चोरी की वारदातों का खुलासा करते हुए 2 शालि़ आरोपियों को अलग-अलग मामलों में गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से शनि मंदिर से चोरी किए गए चांदी के तीन छत्र तथा एक मकान से चोरी की गई पानी की मोटर बरामद की है।

पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) प्रशांत किरण ने बताया कि 25 जुलाई को नांगल जैसा बोहरा स्थित शनि मंदिर (देव तलाई) से चांदी के छत्र चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। इस मामले की जांच के दौरान घटनास्थल और बैनाड रोड के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए, जिनके आधार पर राकेश प्रजापत (21) निवासी झामदा कला (चाकस), हाल निवासी कश्चनी की पहचान हुई। आरोपी पहले से कश्चनी थाना क्षेत्र के चोरी के मामले में जयपुर सेंट्रल जेल में बंद था। पुलिस ने उसे प्रोडक्शन वारंट पर लेकर 12212 व्हाट्सएप नंबर से चोरी करना स्वीकार कर लिया। उसके कब्जे से चोरी किए गए तीनों चांदी के छत्र बरामद कर लिए गए। आरोपी को खिलाफ पहले भी चोरी और नकबजनी के मामले दर्ज है। वहीं दूसरे मामले में 20 जुलाई को ग्रीन पार्क, नांगल जैसा बोहरा निवासी राकेश कुमार ने चोरी के आधार, लाइट का सामान और करीब 10 हजार रुपये की पानी की मोटर चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और मुखबि की सूचना के आधार पर सुनील लोरा (26) निवासी नारायण नगर, दादी का फाटक (शोटवाडा) को भेरूजी मंदिर के पास से गिरफ्तार किया।

पुलिस ने शुरु किया ‘‘ऑपरेशन चौकस’’

जयपुर। राजधानी के पश्चिम ज़िले में अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से जयपुर पश्चिम पुलिस ने ऑपरेशन चौकस अभियान शुरू किया है।

‘‘आपकी सूचना, हमारी कार्रवाई’’ थीम पर शुरू किए गए इस अभियान के तहत आमजन से गुप्त सूचनाएं प्राप्त करने के लिए 7300012212 व्हाट्सएप नंबर जारी किया गया है। पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) ने बताया कि इस नंबर की सीधी निगरानी डीसीपी कार्यालय करेगा। सूचना देने वाले व्यक्ति को पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी तथा प्राप्त प्रत्येक सूचना का सत्यापन कर त्वरित और प्रभावी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने नागरिकों से नशे और मादक पदार्थों के अवैध कारोबार, अवैध शराब के निर्माण, परिवहन एवं बिक्री, अवैध हथियारों के निर्माण और खरीद-फरोख्त, जुआ-सट्टा तथा गुंडागर्दी एवं अन्य असामाजिक गतिविधियों की सूचना इस व्हाट्सएप नंबर पर देने की अपील की है। पुलिस का कहना है कि आमजन की सक्रिय भागीदारी से अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण संभव होगा और समाज को अधिक सुरक्षित बनाया जा सकेगा।

तेज रफ्तार एस.यू.वी. ने स्कूटी सवार छात्र को रौंदा

पत्रकार कॉलोनी क्षेत्र में वंदेमातरम मार्ग पर हुआ हादसा, चालक फरार

-कार्यालय संवाददाता-
जयपुर। पत्रकार कॉलोनी थाना क्षेत्र के वंदेमातरम मार्ग पर बारिश के दौरान तेज रफ्तार एसयूवी की टक्कर से स्कूटी सवार 19 वर्षीय छात्र की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद एसयूवी डिवाइडर से टकरा गई और उसका टायर फटने पर चालक कुछ दूरी पर वाहन छोड़कर फरार हो गया। घटना का सीसीटीवी वीडियो गुरुवार को सामने आया।

थानाधिकारी उदय सिंह यादव ने बताया कि मृतक की पहचान विरुपक्ष उर्फ राजा मीणा (19) निवासी सूर्य नगर, गोपावपुरा बाईपास रूपा में हुई है। जो बारिश के दौरान स्कूटी से जा रहा था। इसी दौरान तेज गति से आई एसयूवी ने उसे सामने से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि छात्र की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद एसयूवी अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई, जिससे उसका

अगस्त तक 1200 पेयजल योजनाओं का होगा जल अर्पण, 2500 गांव होंगे लाभान्वित

-कार्यालय संवाददाता-
जयपुर । मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में गुरुवार को सचिवालय में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग एवं जल जीवनमिशन की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में हर घर तक सुरक्षित एवं स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने, मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन, वित्तीय प्रबंधन तथा जल अर्पण दिवस के आयोजन को

‘हर जिले में ड्रग से जुड़े 1 0 प्रमुख केस और 5 कुख्यात ड्रग माफियाओं की होगी सूची तैयार, सम्पत्ति होगी जब्त’

मुख्य सचिव ने प्रदेश में ड्रग माफिया के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति अपनाने के निर्देश दिए

-कार्यालय संवाददाता-
जयपुर । मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में गुरुवार को शासन सचिवालय में नार्को समन्वय केंद्र तंत्र (एनसीओआरडी) की राज्य स्तरीय बैठक आयोजित हुई। बैठक में राज्य में मादक पदार्थों की तस्करी एवं अवैध कारोबार पर प्रभावी नियंत्रण के लिए विभिन्न विभागों द्वारा किए जा रहे प्रयासों की समीक्षा की गई तथा अधिकारियों को सख्त एवं समन्वित कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि राज्य के सभी पुलिस थानों में मादक पदार्थों से जुड़े मामलों में प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। ड्रग्स की जब्त और तस्करो के विरुद्ध अभियान की और अधिक तेज किया जाए। साथ ही, जब्त ड्रग्स और अन्य नशीले पदार्थों को प्रदेश के सभी पुलिस थानों मे एक दिन एक साथ विशेष अभियान चला कर नष्ट किया जाए।

उन्होंने कहा कि आदतन अपराधियों के विरुद्ध तथ्यों एवं साक्ष्यों पर आधारित मजबूत चार्जशीट



मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में गुरुवार को शासन सचिवालय में नार्को समन्वय केंद्र तंत्र की राज्य स्तरीय बैठक आयोजित हुई।

तैयार की जाए, जिससे न्यायालय में प्रभावी पैरवी हो सके और दोषियों को शीघ्र एवं कठोर सजा दिलाई जा सके। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को केन्द्र सरकार की ‘डिटेक्ट-डिसरप्ट-डैस्ट्रॉय’ नीति के आधार पर ड्रग माफिया के पूरे नेटवर्क को समाप्त

करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मादक पदार्थों की आपूर्ति श्रृंखला को तोड़ने के लिए योजनाबद्ध एवं समन्वित कार्रवाई की जाए।

उन्होंने निर्देशित किया कि प्रत्येक जिले के पुलिस अधीक्षक ड्रग्स से जुड़े 10 प्रमुख मामलों की सूची तैयार करें

तथा उनमें से 5 कुख्यात ड्रग माफियाओं को चिन्हित कर उनके विरुद्ध विशेष अभियान चलाकर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करें। बैठक में वर्ष 2026-29 के लिए मादक पदार्थों के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस नीति तैयार करने पर भी चर्चा हुई। मुख्य

प्राकृतिक खेती में राजस्थान बना मिसाल : क्लस्टर गठन में दूसरा, कृषक पंजीकरण में तीसरा स्थान

राज्य सरकार की योजनाओं और नीतियों का दिख रहा प्रभावी असर

-कार्यालय संवाददाता-
जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। राज्य सरकार ढाई लाख किसानों को जोड़कर एक लाख हेक्टेयर क्षेत्र में प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहन देने की दिशा में कार्य कर रही है, ताकि मिट्टी की उर्वरता बनाए रखते हुए टिकाऊ कृषि को बढ़ावा दिया जा सके।

राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के अंतर्गत राज्य में अब तक 2 हजार 380 क्लस्टर गठित किए जा चुके हैं, जो आंध्र प्रदेश के बाद देशभर में सर्वाधिक है। इन क्लस्टरों से प्रदेश के 2 लाख 12 हजार 346 किसान जुड़े हैं, यह संख्या आंध्र प्रदेश व उत्तर प्रदेश के बाद देश में सबसे अधिक है। साथ ही, अब तक राज्य के लगभग 91 हजार 166 हेक्टेयर क्षेत्र में प्राकृतिक खेती अपनाई जा चुकी है, जो राज्य को देश के अग्रणी राज्यों में स्थापित करती है। मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सरकार द्वारा वर्ष 2025-26 तक लगभग 49 करोड़ 97 लाख रुपये का व्यय किया गया है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार प्राकृतिक खेती को नई दिशा देने के लिए मिशन मोड पर कार्य कर रही है। प्रदेश में 50 हजार

- 2 लाख से अधिक किसान कर रहे हैं 91 हजार हेक्टेयर में प्राकृतिक खेती
- राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन से मिल रहा उत्तम प्रशिक्षण-उन्नत विपणन
- मिट्टी की उर्वरता में बढ़ोतरी, किसानों का उत्पादन बढ़ा, लागत घटी

किसानों को गोवर्धन जैविक उर्वरक किसानों के माध्यम से जैविक खाद उत्पादन के लिए 10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जा रही है। जोधपुर, कोटा और उदयपुर में ऑर्गेनिक फूड मार्केट स्थापित किया जा रहे हैं, जिससे किसानों को जैविक उत्पादों का बेहतर बाजार उपलब्ध हो सकेगा।

राज्य सरकार पारंपरिक एवं प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए बेलों से खेती करने वाले किसानों को 30 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि दे रही है। गौ संरक्षण एवं संवर्धन के लिए 2 हजार 856 करोड़ रुपये का अनुदान राज्य की गोशालाओं को दिया गया है। बजट 2025-26 में कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर में सेंट ऑफ कैंथीलेंस फॉर नैचुरल फार्मिंग की स्थापना का प्रावधान किया गया है, जो अनुसंधान, प्रशिक्षण और नवाचार का प्रमुख केंद्र बनेगा।

उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन 25 नवंबर 2024 को प्रारम्भ किया गया, जिसका उद्देश्य रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम करना, मिट्टी के स्वास्थ्य में सुधार करना तथा किसानों की आय बढ़ाना है। यह मिशन केवल खेती तक सीमित नहीं है, बल्कि किसानों को प्रशिक्षण, तकनीकी मार्गदर्शन, प्रमाणन और विपणन की समग्र सुविधा भी उपलब्ध कराता है। इसके तहत देशभर में 527 कृषि विश्वविद्यालय, 194 स्थानीय प्राकृतिक खेती संस्थान तथा 18 उ्कृष्टता केंद्र मिशन अंतर्गत किसानों को प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं। प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने के लिए केंद्र सरकार द्वारा किसानों को प्रति एकड़ प्रति वर्ष 4 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि दो वर्षों तक उपलब्ध करवाई जा रही है। नीति आयोग की मूल्यांकन रिपोर्ट के अनुसार प्राकृतिक

खेती अपनाने वाले लगभग 91 प्रतिशत किसानों के उत्पादन में वृद्धि हुई तथा लगभग 90 प्रतिशत किसानों की उत्पादन लागत में कमी आई है। साथ ही, मिट्टी के स्वास्थ्य में भी महत्वपूर्ण सुधार देखा गया है।

प्राकृतिक खेती पर्यावरण संरक्षण, किसानों की आय में वृद्धि और भानी पीढ़ियों के लिए स्वस्थ कृषि व्यवस्था का आधार बन रही है। यह समृद्ध किसान, स्वस्थ समाज और सुरक्षित पर्यावरण की आधारशिला है। जब किसान प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित कर खेती करेगा, तभी विकसित भारत और विकसित राजस्थान के संकल्प को नई गति मिलेगी।प्राकृतिक कृषि ऐसी कृषि पद्धति है जिसमें प्रकृति के अनुरूप खेती की जाती है तथा मिट्टी, जल, जैव विविधता और सूक्ष्मजीवों के प्राकृतिक संतुलन को बनाए रखने पर विशेष बल दिया जाता है। इसमें स्थानीय संसाधनों, विशेषकर देशी गाय आधारित जैविक घोल, फसल अवशेष, मल्लिचंग तथा मिश्रित खेती का उपयोग किया जाता है। रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों पर निर्भरता कम होने से किसानों की उत्पादन लागत में कमी आती है और उपभोक्ताओं को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य उत्पाद उपलब्ध होते हैं।

कानून व्यवस्था कि बिगड़ी स्थिति का जिम्मेदार कौन, किसकी है जवाबदेही? : नेता प्रतिपक्ष

जयपुर। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जुली ने प्रदेश में लगातार कानून-व्यवस्था बिगड़ने पर राज्य सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा है कि भावपा सरकार, आम जनता को यह विश्वास दिलाने में पूरी तरह विफल साबित हो रही है कि वह अपराध नियंत्रण पर गंभीर है। प्रदेश में लगातार आपराधिक वारदातें हो रही हैं और बेरोषि अपराधी

खुलेआम वारदातों को अंजाम दे रहे हैं।जुली ने कहा कि राजस्थान में लगातार आपराधिक घटनाएं हो रही हैं, अपराधी बेरोषि होकर अपराध कर रहे हैं। प्रकृति का एक मामूली विवाद में मानसरोवर इलाके में चार गुंडों ने एक युवक की पीट-पीट कर जान ले ली। मुख्यमंत्री और दोनों उप मुख्यमंत्री तीनों ही जयपुर से विधायक हैं,

उसके बावजूद राजधानी में कानून-व्यवस्था का यह हाल है। पुलिस अपनी कार्रवाई करेगी, लेकिन सवाल यह है कि अपराधियों में ईमान दुसाहस कैसे हो रहा है? सरेशा किसी की जान कैसे ली जा सकती है? अभी कुछ दिन पहले ही इसी घटनास्थल से कुछ दूरी पर स्थित एक नाइट क्लब में रात के 3 बजे सरेआम पार्टी चल

- राज्य स्तरीय नार्को समन्वय केंद्र की बैठक में मादक पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए कार्ययोजना बनाई। सभी पुलिस थानों में एक साथ विशेष अभियान चलाकर जब्त ड्रग्स को नष्ट करें : वी. श्रीनिवास

सचिव ने संबंधित विभागों को इस संबंध में ठोस कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग तथा युवा मामलात विभाग को निर्धारित प्रोटोकॉल का पालन करते हुए समन्वित रूप से नशा मुक्ति, जागरूकता एवं ड्रग तस्करी के विरुद्ध कार्रवाई करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि जांच के दौरान

जब्त किए गए वाहनों की नियमानुसार शीघ्र नीलामी की जाए। मुख्य सचिव ने कहा कि जिन आरोपियों के विरुद्ध तीन या उससे अधिक आपराधिक मामले लंबित हैं, उनके प्रकरणों का प्राथमिकता से शीघ्र निस्तारण किया जाए ताकि संगठित अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित हो सके। इस दौरान एनटीएफ के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक विकास कुमार ने बैठक का प्रस्तुतीकरण दिया।बैठक में पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा, गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव भास्कर ए. सांवत, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव कुलदीप रांभा, एएनटीएफ के अतिरिक्त महानिदेशक दिनेश एम. एन., रेलवे सुरक्षा बल के महानिरीक्षक, केंद्रीय नाकोटिक्स ब्यूरो, राज्य विधि विज्ञान प्रयोगशाला, इंटरलिजेंस ब्यूरो, चिकित्सा विभाग, सामाजिक न्याय विभाग, कृषि, राजस्व विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। बीएसएफ राजस्थान फ्रंटियर के महानिरीक्षक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े।

फर्जी आईटीसी के बड़े मामले का खुलासा

जयपुर (कासं)। वाणिज्यिक कर विभाग द्वारा मानसरोवर वित्तारस्थित केसर नगर क्षेत्र में संचालित मेसर्स नय्यता पर ससे कार्रवाई की गई। विभाग की डेटा एनालिटिक्स एवं जोखिम विश्लेषण प्रणाली से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर की गई इस कार्रवाई में प्रारंभिक जांच के दौरान पाया गया कि फर्म द्वारा जीएसटी कानून के प्रावधानों के विपरीत इनपुट टैक्स क्रेडिट का लाभ लिया गया है। जांच में सामने आया कि यह फर्म मुख्य रूप से मैनापावर सप्लाई, स्टाफिंग तथा प्रशिक्षण सेवाएं प्रदान करती है।वित्तीयवर्ष 2024-25 एवं 2025-26 के दौरान फर्म द्वारा दिल्ली स्थित विभिन्न आपूर्तिकर्ताओं से प्राप्त खरीद के आधार पर 1.39 करोड़ रुपये से अधिक का इनपुट टैक्स क्रेडिट प्राप्त कर उसका उपयोग किया। विभागीय सत्यापन में पाया गया कि जिन आपूर्तिकर्ताओं के आधार पर यह आईटीसी लिया गया, उनके जीएसटी पंजीकरण की तिथि से ही निरस्त पाए गए, जिससे इन लेन-देन की सत्यता पर गंभीर संदेह उत्पन्न हुआ है।

प्रारंभिक जांच के आधार पर 1.39 करोड़ रुपये से अधिक का संदिग्ध इनपुट टैक्स क्रेडिट च्छिहित किया गया है। साथ ही, फर्म के क्रेडिट लेजर में 27.47 लाख रुपये का इनपुट टैक्स क्रेडिट वर्तमान में उपलब्ध पाया गया है।

राज ममता कार्यक्रम के तहत वेब एप बनेगा मानसिक स्वास्थ्य में सहायक

जयपुर । चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने बताया कि सीएम भजनलाल शर्मा द्वारा सभी के लिए मानसिक स्वास्थ्य के तहत अव्यवह चिंता और आत्महत्या आदि की रोकथाम के लिए राज ममता कार्यक्रम चलाए जाने की की गई बजट घोषणा की गई थी, इसी कड़ी में प्रदेश में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक प्रभावी, सुलभ एवं साक्ष्य-आधारित बनाने की दिशा में चिकित्सा विभाग ने महत्वपूर्ण पहल की है। प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठीइ ने बताया कि राज ममता कार्यक्रम के तहत प्रदेश के जयपुर, जोधपुर मेंडिक्ल कॉलेज और एम्स जोधपुर में वेब आधारित टूल किट ग्लोबल मेंटल हेल्थ असेसमेंट टूल लागू किया जाएगा। यह वेब-आधारित डिजिटल

एप मरीजों की मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की समय पर एवं वैज्ञानिक पहचान सुनिश्चित करेगा, जिससे उपचार में तेजी आएगी और विशेषज्ञ सेवाओं तक लोगों की पहुंच आसान होगी। उन्होंने बताया कि इस संबंध में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, यूनिसेफ तथा यूनिवर्सिटी ऑफ मैनेजमेन्टर के सहयोग से उच्चस्तरीय बैठक आयोजित हुई। राठीइ ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं की समय पर पहचान और उपचार आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। एक वेब-आधारित डिजिटल असेसमेंट टूल है, जिसके माध्यम से मरीज का निर्धारित प्रश्नों के आधार पर साक्षात्कार किया जाएगा। साक्षात्कार पूरा होते ही सिस्टम स्वतः रिपोर्ट तैयार करेगा।

सार-समाचार पशु चिकित्सा संस्थानों का औचक निरीक्षण

जयपुर । पशुपालन विभाग द्वारा पशुपालकों को बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण पशु चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पशुपालन विभाग के निदेशक डॉ. सुरेश चंद मीना के निर्देश पर विभागीय अधिकारी इन दिनों पशु चिकित्सा संस्थानों का आकस्मिक निरीक्षण कर रहे हैं। गुरुवार को विभाग के अतिरिक्त निदेशक डॉ. संजय कुमार के नेतृत्व में तीन सदस्यीय एक दल ने जयपुर जिले की तीन पंचायत समितियों के सात पशु चिकित्सा संस्थानों का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने पशु चिकित्सालयों एवं उपकेंद्रों में उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं, दवा भंडारण, स्वच्छता व्यवस्था, उपकरणों की उपलब्धता, अभिलेखांकन तथा पशुपालकों को प्रदान की जा रही सेवाओं का अवलोकन किया। निरीक्षण दल ने संस्थानों में कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों से विभागीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, नियमित उपस्थिति, उपचार व्यवस्था तथा पशुपालकों से बेहतर संवाद बनाए रखने के संबंध में चर्चा की। साथ ही विभिन्न योजनाओं के तहत संचालित गतिविधियों की प्रगति की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। डॉ। संजय ने बताया कि निरीक्षण के दौरान जिन संस्थानों में सुधार की आवश्यकता पाई गई, वहां संबंधित अधिकारियों को आवश्यक सुधातात्मक कार्रवाई शीघ्र सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने बताया कि कुछ संस्थानों में कर्मचारी बिना सूचना अनुपस्थित पाए गए उनके खिलाफ आपराधनात्मक कार्यवाही की जाएगी। साथ ही, जिन संस्थाओं में अनियमितता पाई गई है वहां भी संबंधित कार्मिकों के खिलाफ नियमानुसार कार्यवाही करने की अनुशंसा की गई है। दल ने जिन संस्थानों का निरीक्षण किया उनमें चाकस पंचायत समिति के बाडा पदमपुरा का प्रथम श्रेणी पशु चिकित्सालय, पशु चिकित्सा उपकेंद्र, बापूगांव, प्रथम श्रेणी पशु चिकित्सालय कोखावदा, प्रथम श्रेणी पशु चिकित्सालय फागी, तथा पंचायत समिति माधोराजपुरा के प्रथम श्रेणी पशु चिकित्सालय, पशु चिकित्सालय कादेडा और पशु चिकित्सा उपकेंद्र डाबीच शामिल हैं।

तीन विधानसभा कार्मिक सेवानिवृत्त

जयपुर । विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने गुरुवार को विधानसभा के तीन कर्मियों सहायक लेखाधिकारी नरसी राम गुर्जर, सहायक कर्मचारी आनन्द व्यास और राजकुमार पंवार को सेवानिवृत्ति पर साफा पहनाकर, शॉल ओढ़ाकर और स्मृति चिन्ह भेंट कर भावभीनी विदाई दी। देवनानी ने कहा कि विधान सभा में सभी के प्रति समभाव है। उन्होंने कहा कि उनके स्पीकर पद के कार्यकाल में विधान सभा कर्मियों का यह 25 वर्ष सेवानिवृत्ति समारोह है। वे सभी समारोह में व्यक्तिः मौजूद रहे। इन समारोह की सुखद अनुभूति यह है कि यहां सहायक कर्मचारियों से लेकर अधिकारियों तक का सेवानिवृत्ति समारोह एक जैसा आयोजित किया जाता है और विधानसभा सचिवालय के सभी अधिकारी और कर्मचारी इन समारोह में मौजूद रहते है। इस मौके पर राजस्थान विधान सभा के प्रमुख सचिव भारत भूषण शर्मा, विशिष्ट सहायक के. के. शर्मा, वरिष्ठ उप सचिव संजीव शर्मा, वित्तीय सलाहकार अपूर्व जोशी और राजस्थान विधान सभा कर्मचारी सहकारी साक्ष समिति के अध्यक्ष रवि जैन सहित विधानसभा के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद थे। समारोह का संचालन दुर्गादास मूलचंदानी ने किया।

मुरली मनोहर अर्किचन महाराज का सम्मान

जयपुर । छोटी काशी के प्रख्यात कथावाचक मुरली मनोहर अर्किचन महाराज को गुरु पूर्णिमा महोत्सव के अंतर्गत कृष्णा नगर द्वितीय, लालकोठी में आयोजित सम्मान समारोह में जय श्रीनारायण परिवार की ओर से वदा गुरुदेव श्री श्यामसुंदर आचार्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया। सम्मान इन्द्र मण्जिजी महाराज ने प्रदान किया। समारोह में आदित्य वर्धन, गिरधर शर्मा सहित अनेक श्रद्धालु एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे। सम्मान पत्र का वाचन करते हुए कहा गया कि महाराज ने ‘‘पीबत भागवतं रसमालावतं’’ की भावना को साकार करते हुए देशभर में लगभग 5०0 भाववत कथाओं के माध्यम से जनमानस में आध्यात्मिक चेतना का संसार किया है। उनकी अोजस्वी वाणी, सरल एवं प्रभावशाली शैली, सूक्ष्म विश्लेषण तथा गूढ़ आध्यात्मिक विवरण के प्रभाव भाषा में प्रस्तुत करने की कला ने उन्हें देश के लोकप्रिय कथावाचकों की अग्रिम पंक्ति में स्थापित किया है।

16 अगस्त तक बड़ी खरीफ फसलों के बीमा की अंतिम तिथि

जयपुर । प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत खरीफ 2026 के लिए फसल बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 जुलाई से बढ़ाकर 16 अगस्त 2026 कर दी है। इससे अब हजारों ऐसे किसानों को अतिरिक्त समय मिलेगा जो किसी कारणवश 31 जुलाई तक अपनी फसलों का बीमा नहीं करा पाए थे। योजना के तहत ऋणी, गैर-ऋणी एवं बटाईदार किसान अपनी खरीफ फसलों का बीमा कराकर प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले नुकसान की स्थिति में आर्थिक सुरक्षा प्राप्त कर सकेंगे।आयुक्त कृषि नरेश कुमार गोयल ने बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना किसानों की आय को सुरक्षित बनाने, खेती में जोखिम कम करने तथा कृषि क्षेत्र को मजबूत आधार प्रदान करने की दिशा में केंद्र एवं राज्य सरकार की महत्वपूर्ण पहल है। योजना के तहत किसानों को सूखा, अतिवृष्टि, बाढ़, ओलावृष्टि, चक्रवात, जलभराव सहित अन्य अविशुचित प्राकृतिक जोखिमों से फसल क्षित होने पर आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि वर्ष 2026-27 के लिए राज्य सरकार ने योजना के सफल संचालन हेतु चार बीमा कंपनियों का चयन किया है, जो विभिन्न जिलों में किसानों को बीमा सुविधा उपलब्ध कराएंगी। किसान 16 अगस्त 2026 तक राष्ट्रीय फसल बीमा पोर्टल, निकटतम बैंक, सहकारी समिति,

सतर्कता समिति में पानी, बिजली, सड़क सहित जनहित के प्रकरण दर्ज करें : जैन

बीकानेर, (कासं)। जिला जन अभाव अभियोग निराकरण एवं सतर्कता समिति की बैठक गुरुवार को जिला कलेक्टर निशान्त जैन की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में हुई। बैठक में ग्यारह प्रकरणों पर अब तक की गई कार्यवाही की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

जिला कलेक्टर ने कहा कि प्रकरणों के संबंध में सभी अधिकारी नियम सम्मत, गंभीरतापूर्वक और समयबद्ध कार्यवाही करें। प्रकरणों पर की गई कार्यवाही की सूचना भी समय पर दी जाए। उन्होंने कहा कि समिति में पानी, बिजली, सड़क सहित जनहित से जुड़े अधिक से अधिक प्रकरण दर्ज करें, जिससे आमजन को इसका लाभ हो। नोखा के बार्ड नंबर 28 में पेयजल की गुणवत्तापूर्ण एवं पर्याप्त सप्लाई नहीं होने के प्रकरण में जिला कलेक्टर ने जलदाय विभाग की टीम को मौका सुआयना करते हुए रिपोर्ट उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए। बीकानेर शहर के शांलीनगर में नाला कवर करने के प्रकरण में नगर निगम और सार्वजनिक निर्माण विभाग को आवश्यक रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा। वहीं विभिन्न उपखण्डों से जुड़े प्रकरणों में संबंधित उपखण्ड



बीकानेर कलेक्टर निशान्त जैन ने जिला जन अभाव अभियोग निराकरण एवं सतर्कता समिति की बैठक को संबोधित किया।

अधिकारी को निर्देश दिए। बैठक में नगर निगम आयुक्त सिद्धार्थ पलनीचामी, जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी शैलजा पांडे, अतिरिक्त कलेक्टर (नगर) रीना, समिति के नव मनोनीत सदस्य खुशबू रतावा, नरेश कुमार नायक, डॉ. अशोक कुमार मोपा, कुम्भाराम सिद्ध, मोहन सुराणा, मुमताज अली भाटी, पूर्व प्रधान कन्हैयालाल सियाग, पूर्व

महापौर सुशीला कंवर राजपुरोहित तथा जालम सिंह भाटी मौजूद रहे। वहीं समस्त उपखण्डों से भी अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जुड़े। वहीं नोखा उपखंड कार्यालय के बीसी कक्ष में एसडीएम निधि उडुसरिया की अध्यक्षता में उपखंड स्तरीय सतर्कता समिति की बैठक हुई। राजस्थान सरकार के जन अभाव अभियोग निराकरण विभाग के निर्देशों और

जिला कलेक्टर बीकानेर के आदेशों के तहत आयोजित इस बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों और समिति सदस्यों ने हिस्सा लिया।

बैठक का मुख्य उद्देश्य आमजन की जन शिकायतों का त्वरित निस्तारण, विभागों के बीच आपसी समन्वय को मजबूत करना और राजस्थान संपर्क पोर्टल के लंबित मामलों की समीक्षा करना था। एसडीएम निधि उडुसरिया

खारा औद्योगिक क्षेत्र में 500 पौधे रोपे

बीकानेर, (कासं)। राज्य सरकार हरियाली राजस्थान अभियान के तहत पर्यावरण संरक्षण एवं औद्योगिक क्षेत्र ग्रीन बेल्ट के हरित स्वरूप देने में श्री बाबा रामदेव सेवा समिति व खारा ग्रोथ सेंटर संघ की के पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।

श्री बाबा रामदेव सेवा समिति कि विवरण पत्रिका का विमोचन किया गया है। कार्यक्रम में 500 पौधों का रोपण कर उनकी देखभाल और संरक्षण का संकल्प लिया। इस मौके पर रीको से जय सारण व जीशान अली, एवं राजस्थान प्रदूषण नियंत्रण मण्डल अंकित एवं प्रती मैडम ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम के खारा ग्रोथ सेंटर के अध्यक्ष प्रविंदर सिंह राठौड़ , सचिव प्रकाशजी सोनावन, अरूण कुमार बांदिया, लघुभारति बीकानेर अध्यक्ष राजेशजी गोयल व प्रकाश नवाहल, श्री बाबा रामदेव सेवा समिति के अध्यक्ष विक्रम सिंह, विजयराज बोथरा, दयाशंकर, मामराज, सुभाष, भंवर सिंह सांखला, राजेन्द्र बिश्नोई, लालुराम, जयकिशन, गोपी किशन, रामकिशोर आदि मौजूद थे।

बैठक में राजस्व, पुलिस, पेयजल, बिजली और पंचायती राज जैसे प्रमुख विभागों से जुड़ी शिकायतों के प्रभावी निस्तारण पर जोर दिया

ने स्पष्ट किया कि आमजन की समस्याओं का समय पर समाधान प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि किसी भी स्तर पर अनावश्यक देरी या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी।

बैठक में राजस्व, पुलिस, पेयजल, बिजली और पंचायती राज जैसे प्रमुख विभागों से जुड़ी शिकायतों के प्रभावी निस्तारण पर जोर दिया गया। विशेष रूप से उन मामलों को प्राथमिकता से हल करने के निर्देश दिए गए, जिनमें दो या अधिक विभागों के समन्वय की आवश्यकता होती है। इनमें रास्ता खुलवाने के विवाद, नई पेयजल लाइन बिछाना, बिजली पोल लगवाना और जर्जर लोहे के बिजली पोल बदलवाना शामिल है।

प्रिंसिपल ने विदाई से पहले मेधावी छात्रों को प्रोत्साहन राशि दी

सूरतगढ़, (कासं)।सूरतगढ़ ब्लॉक के गाँव भगवानसर स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल में गुरुवार को आयोजित विदाई समारोह में प्रिंसिपल जसवंत सिंह सिंवर ने अपने कार्यकाल के दौरान किया गया वादा निभाते हुए मेधावी विद्यार्थियों को प्रोत्साहन राशि देकर सम्मानित किया।

शिक्षा, अनुशासन और नवाचारों के लिए चर्चित रहे अपने 11 माह के कार्यकाल के समापन पर उन्होंने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए सहयोग का संदेश भी दिया। समारोह के दौरान प्रिंसिपल सिंवर मंच से नीचे उतरे और स्वयं मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया। उन्होंने छात्रों को प्रोत्साहन राशि प्रदान कर उनके बेहतर प्रदर्शन की सराहना की।

यह भावुक और प्रेरणादायक पल समारोह में मौजूद विद्यार्थियों, अभिभावकों और ग्रामीणों के लिए विशेष आकर्षक रहा। प्रिंसिपल सिंवर ने छात्र राधा को आगामी चार वर्षों की पढ़ाई के लिए 2100 रूपए की सहायता राशि प्रदान की। कक्षा 12 वीं

आरक्षण लॉटरी पर टिकी निकाय अध्यक्ष पद की दावेदारी

नगर निकाय चुनाव का संभावित कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाने के बाद अनूपगढ़ में चुनावी माहौल गर्माने लगा

पहुँच सका। ऐसे में इस बार आरक्षण की लॉटरी को लेकर सामान्य वर्ग के संभावित दावेदारों की उम्मीदें बढ़ गई हैं। अधिकांश इच्छुक उम्मीदवार फिलहाल चुनावी रणनीति बनाने के बजाय आरक्षण की घोषणा का इंतजार कर रहे हैं। नगर निकाय चुनाव के नियमों के अनुसार सामान्य, अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), अनुसूचित

महिला से सोने का लॉकेट छीनने वाला गिरफ्तार

हनुमानगढ़, (कासं)। जिले के संगरिया थाना पुलिस ने एक महिला से सोने का लॉकेट झपटकर फरार होने के मामले का खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान माणक टिब्बी निवासी राजीव कुमार (28) के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से लूटा गया सोने का लॉकेट बरामद कर वारदात में इस्तेमाल की गई बाइक भी जब्त कर ली है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 28 जुलाई को संगरिया निवासी एक महिला ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया था कि 20 जुलाई को वह भगतपुरा रोड से दूध लेकर घर लौट रही थी। इसी दौरान बाइक सवार एक युवक ने उनसे बातचीत में उलझाकर उनके गले से सोने का लॉकेट झपट लिया।

इस संबंध में संगरिया थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। पुलिस टीम ने मानवीय और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई करते हुए गुरुवार को राजीव कुमार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार आरोपी राजीव कुमार के खिलाफ पहले भी एनडीपीएस एक्ट, चोरी और छीनाछपटी सहित विभिन्न धाराओं में तीन अपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस टीम में एसएआई विजय सोनी, नौरंगलाल, कानि. चेतराम और विजय कुमार शामिल थे।

भगवानसर स्थित रा. उ. मा. विद्यालय से हमेशा जुड़े रहने का संकल्प लिया

में 93 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाली रोशनी को 1100 रूपए दिए गए वहीं बबीता, विशाल, अंजलि और सनी सहित अन्य प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को 500-500 रूपए की प्रोत्साहन राशि देकर सम्मानित किया गया।

स्कूल परिवार और ग्रामीणों ने प्रिंसिपल सिंवर के कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में स्कूल में शैक्षणिक वातावरण, अनुशासन और नवाचारों को नई दिशा मिली। प्रिंसिपल शशिबाला और स्कूल स्टाफ ने सिंवर द्वारा शुरू किए गए सकारात्मक कार्यों को आगे भी जारी रखने का संकल्प लिया।

अपने संबोधन में जसवंत सिंह सिंवर ने कहा कि भगवानसर स्कूल और यहां के विद्यार्थियों से उनका रिश्ता हमेशा बना रहेगा।

जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) वर्गों के लिए आरक्षण लागू रहेगा। साथ ही सभी श्रेणियों में 50 प्रतिशत सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। अध्यक्ष पद और पार्षद वार्डों का आरक्षण भी लॉटरी प्रक्रिया के जरिए तय किया जायेगा। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि लॉटरी के बाद कई वार्डों की चुनावी तस्वीर बदल सकती है। जिससे नए चेहरों को मौका मिलेगा और कुछ पुराने दावेदारों को इंतजार करना पड़ सकता है। राज्य निर्वाचन विभाग की संभावित रूपरेखा के अनुसार नगर निकाय चुनाव की अभिसूचना करीब 17 अगस्त को जारी हो सकती है। हालांकि अंतिम कार्यक्रम की घोषणा निर्वाचन विभाग की ओर से की जायेगी।

कलेक्टर-एसपी ने तैयारियों का जायजा लिया

बीकानेर, (कासं)। बीकानेर में होने वाले राज्य स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों को लेकर जिला प्रशासन मुस्तैद है। जिला कलेक्टर निशान्त जैन और पुलिस अधीक्षक मुदुल कच्छावा ने प्रशासनिक अधिकारियों के साथ प्रमुख कार्यक्रम स्थलों का दौरा किया।

अधिकारियों ने डॉ. करणी सिंह स्टेडियम पहुंचकर मुख्य समारोह स्थल का निरीक्षण किया। यहां टेंट, साउंड सिस्टम, सुरक्षा, ट्रैफिक, प्रवेश व निकास द्वार तथा अति विशिष्ट अतिथियों के बैठने की व्यवस्थाओं का फीडबैक लिया गया। इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त सिद्धार्थ पलनीचामी, जिला परिषद सीईओ शैलजा पांडे, एडीएम उममेद सिंह रतन, रीना, एसपी चक्रवर्ती सिंह राठौड़ सहित पीडब्ल्यूडी, निगम और बीडीए के अधिकारी उपस्थित रहे। एट होम और सांस्कृतिक कार्यक्रम स्थल भी देखे।

सार-समाचार ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म व एआई डिजिटल प्लेटफॉर्म की जानकारी दी



एमएसएमई विकास कार्यालय जयपुर के सहायक निदेशक तरूण भटनागर ने एआई डिजिटल प्लेटफार्म की जानकारी दी।

बीकानेर, (कासं)। आरबी निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान बीकानेर में एमएसएमई विकास कार्यालय जयपुर के मार्गदर्शन में प्रधानमंत्री विश्वकर्मा जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पारंपरिक कारीगरों, महिलाओं एवं युवाओं को प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत उपलब्ध कौशल प्रशिक्षण, वित्तीय सहायता, टूलकिट प्रोत्साहन, डिजिटल सशक्तिकरण, विपणन सहायता एवं स्वरोजगार के अवसरों की जानकारी प्रदान करना था। साथ ही प्रतिभागियों को ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म जैसे फ्लिपकार्ट, बॉलमाट मार्केट प्लेस तथा एआई आधारित डिजिटल प्लेटफॉर्म की जानकारी देते हुए ऑनलाइन ऑनबोर्डिंग एवं डिजिटल माध्यम से व्यवसाय को बढ़ाने के तरीकों से भी अवगत कराय़ा गया। कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के लाभ, आवेदन प्रक्रिया, कौशल उन्नयन, उद्यमिता विकास, डिजिटल साक्षरता एवं विभिन्न सरकारी योजनाओं से जुड़ने के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उपस्थित प्रतिभागियों ने योजना के प्रति उत्साह व्यक्त करते हुए लाभ प्राप्त करने की प्रक्रिया को समझा तथा अपने प्रश्नों का समाधान प्राप्त किया। इस अवसर पर एमएसएमई विकास कार्यालय, जयपुर के सहायक निदेशक तरूण भटनागर ने प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के विभिन्न प्रावधानों, लाभों एवं स्वरोजगार के अवसरों पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने लाभार्थियों को डिजिटल माध्यमों एवं ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के जरिए अपने व्यवसाय का विस्तार करने के लिए भी प्रेरित किया। जिला उद्योग केन्द्र बीकानेर जिला महाप्रबंधक मंजू नैण ने राजस्थान सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी।

बागवानी मिशन में 171.75 लाख के परियोजना प्रस्ताव मंजूर



उद्यानिकी गतिविधियों की समीक्षा बैठक को संयुक्त निदेशक (उद्यान) डॉ धर्मवीर डूडी ने संबोधित किया।

बीकानेर, (कासं)। कृषि व उद्यानिकी आयुक्त के निर्देशों की अनुपालना में बीकानेर खण्ड के संयुक्त निदेशक उद्यान डॉ. धर्मवीर डूडी की अध्यक्षता में कृषि भवन परिसर स्थित उद्यान कार्यालय में उद्यानिकी गतिविधियों की समीक्षा बैठक में उद्यान विभाग के अधिकारियों ने भाग लिया। उप निदेशक उद्यान (अनुसंधान) एटीसी प्रेमराम ने उद्यान विभाग द्वारा संचालित राष्ट्रीय बागवानी मिशन, राज्य आपदा न्यूनीकरण निधि, सूक्ष्म सिंचाई योजना इत्यादि में वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए प्राप्त कार्य योजना व लक्ष्यों के विरूद्ध अर्जित प्रगति का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। उद्यान विभाग के सहायक निदेशक मुकेश गहलोत ने बताया कि राष्ट्रीय बागवानी मिशन के तहत 171.75 लाख रूपए के परियोजना प्रस्ताव जिले के लिए स्वीकृत हुए हैं। राष्ट्रीय बागवानी मिशन के तहत बगीचा स्थापना, सामुदायिक जल स्रोत, पॉली हाउस, शेडनेट हाउस, हाई वेल्यू वेजिटेबलस, प्लास्टिक मलचिंग व वर्मी कम्पोस्ट संरचना निर्माण पर देय अनुदान से किसानों को लाभान्वित किया जा रहा है। सूक्ष्म सिंचाई योजना के तहत 6479 हैक्टेयर की कार्य योजना स्वीकृत हुए हैं। सूक्ष्म सिंचाई योजना में ड्रिप 32 हैक्टेयर, मिनी फव्वारा 454 हैक्टेयर व फव्वारा 5993 हैक्टेयर में प्राप्त लक्ष्य, किसानों को 70-75 अनुदान से लाभान्वित किया जा रहा है। समीक्षा बैठक में उद्यानिकी विभाग अधिकारी राजेश गोदारा, रमेश भांषू, जोधराज काली रावणा, विजय कुमार बलाई, लक्ष्मण सिंह शेखावत, लीला बिश्नोई, मो. इस्माइल, जगवीर बेनीवाल, अनिरुद्ध बिश्नोई, अशोक गोदारा, धर्मपाल, बी. एल. सैनी, ओ. पी. गोदारा, करणीदान इत्यादि मौजूद थे।

गुरु भक्ति तप और आत्मशुद्धि के संकल्प से गूँजे जिनालय

बीकानेर,(कासं)। चातुर्मास के शुभारंभ के साथ ही बीकानेर का जैन समाज पूरी तरह धर्म आराधना, गुरु भक्ति और आत्मशुद्धि की साधना में रम गया है। शहर के विभिन्न जिनालयों, पौषधशाला और उपश्रथों में पुधवार को व्रत-नियम, स्वाध्याय, पूजा, दर्शन-वंदन और मंत्र जाप का वातावरण बना रहा। साधुमार्गी, तपगच्छ, खतरगच्छ, तेरापंथ, पार्षद चंद्र एवं अन्य जैन परंपराओं के साधु-साध्वीवृंद के सानिध्य में बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाओं ने चातुर्मास को आत्म कल्याण का श्रेष्ठ अवसर मानते हुए तप एवं संन्या का संकल्प लिया। छबौली खाटी स्थित सेवा सदन में आयोजित समर्पण महोत्सव-2026 में अखिल भारतीय साधुमार्गी जैन संघ हुस्मगच्छ के नवम पट्टधर आचार्य रामलाल के सानिध्य में दो हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने दर्शन-वंदन कर मंगल पाठ का श्रवण किया। देश के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे 50 से अधिक साधकों ने तेले तप की कठिन आराधना प्रारंभ की। उन्होंने कहा कि चातुर्मास में काम, क्रोध, लोभ और मोह का त्याग कर नियमित जप, तप और स्वाध्याय करना चाहिए। इससे आत्म कल्याण का मार्ग प्रशस्त होता है। रांगड़ी चौक स्थित तपगच्छीय पौषधशाला में आत्मानंद जैन सभा चातुर्मासिक समिति के तत्वावधान में आयोजित प्रवचन में गुरु का सानिध्य जीव को अज्ञान से निकालकर मोक्षमार्ग की ओर अग्रसर करता है। साध्वी प्रीति रत्ना ने गुरु पूर्णिमा के प्रसंग पर कहा कि आध्यात्मिक गुरु ही जीवन की जन्म-मरण के बंधन से मुक्त करने का मार्ग दिखाते हैं। उन्होंने एकलव्य और गौतम स्वामी के उदाहरणों से समर्पण, आज्ञापालन और गुरु भक्ति का महत्व समझाया। दोनों स्थलों पर बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाओं ने तप-आराधना, आर्यबिल, उपवास और अन्य व्रतों के लिए पंजीकरण कराय़ा। सेवा समितियों की ओर से बाहर से आए श्रद्धालुओं के लिए आवास, भोजन, चिकित्सा और साधना की समुचित व्यवस्थाएं भी की गई। आगामी दिनों में ग्मोकार महामंत्र का सामूहिक जाप, विशेष पूजा, तप आराधना और विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन होगा।

उत्तर पश्चिम रेलवे

निविदा संख्या-उपरे-एस सी-बी के एन-02-2026-27 ईपीसी दिनांक 14.07.2026 का प्रथम शुद्धि पत्र
निविदा सूचना संख्या NWR-SK-BKN-02-2026-27-EPC दिनांक 14.07.2026 जो "उत्तर पश्चिम रेलवे के बीकानेर रेलवे स्टेशन का ईपीसी मॉड पर प्रमुख उन्नयन का कार्य" के कार्य के लिए है, के निविदा दस्तावेज में कई बदलाव किए गए हैं और जरूरी संशोधन (corrigendum) IREPS वेबसाइट पर अपलोड कर दिए गए हैं। संशोधनों की पूरी जानकारी IREPS वेबसाइट पर देखी जा सकती है। सभी बोली लगाने वालों से अनुरोध है कि वे अपना ऑफर जमा करने से पहले सुधार (corrigendum) को जरूर देख लें।
संख्या – उपरे – एस सी –बी के एन – 02 – 2026 – 27 – ईपीसी दिनांक 29.07.2026
1110-CQ/26
 उप मुख्य अभियंता/निर्माण, उत्तर पश्चिम रेलवे, बीकानेर
■■■■NWRways■■■■ ■■■■NWRays■■■■

श्रीगंगानगर, (कासं)। बंगाल की खाड़ी में बने डीप डिप्रेशन सिस्टम के असर से श्रीगंगानगर में गुरुवार सुबह करीब 3 बजे तेज बारिश हुई। आसमानी बिजली की चमक और गड़गड़ाहट के साथ करीब एक घंटे तक बारिश हुई।

तेज बारिश से सड़कें, गलियां और खेत पानी से भर गए। कई इलाकों में जलभराव हो गया। बारिश के बाद तापमान में गिरावट दर्ज की गई और लोगों को राहत मिली। मौसम विभाग ने जिले में 2 अगस्त तक तेज बारिश का अलर्ट जारी किया है। गुरुवार सुबह करीब 3 बजे आसमानी बिजली की चमक और तेज गड़गड़ाहट के साथ बारिश शुरू हुई।

करीब एक घंटे तक अच्छी बारिश हुई। बारिश रूकने के बाद मौसम सुहावना हो गया। खेतों में

तेज बारिश से बुधरवाली अंडरब्रिज में पानी भरने पर लोगों को वाहन निकालने में परेशानी हुई

खड़ी फसलों के लिए भी यह बारिश फायदेमंद मानी जा रही है। तेज बारिश के बाद बुधरवाली अंडरब्रिज में पानी भर गया। इससे लोगों को अपने वाहन निकालने में परेशानी का सामना करना पड़ा। बारिश रूकने के बाद भी आसमान में बादलों की आवाजाही बनी हुई है। जिले के कई इलाकों में हल्की बूदाबूदी भी हो रही है। मौसम विभाग ने श्रीगंगानगर जिले में 2 अगस्त तक तेज बारिश का अलर्ट जारी किया है।

किसानों को फल-सब्जियों में कीटनाशकों के सुरक्षित उपयोग का प्रशिक्षण दिया

बीकानेर, (कासं)। केन्द्रीय शुष्क बागवानी संस्थान द्वारा अनुसूचित जाति उपयोजना (एससीएसपी) के अंतर्गत 'फल एवं सब्जियों' में रासायनिक कीटनाशकों के सुरक्षित एवं विवेकपूर्ण उपयोग' विषय पर एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

प्रशिक्षण का उद्देश्य किसानों को कीटनाशकों के सुरक्षित, संतुलित एवं वैज्ञानिक उपयोग के प्रति जागरूक करना तथा सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण फल एवं सब्जियों के उत्पादन को बढ़ावा देना। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. धुरेन्द्र सिंह, प्रधान वैज्ञानिक द्वारा किया गया। उन्होंने अपने उद्घाटन व्याख्यान में कीटनाशक अवशेषों से मुक्त शुष्क क्षेत्रीय फल एवं सब्जियों के सुरक्षित उपभोग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए किसानों को अपने खेतों में सुरक्षित उत्पादन अपनाने तथा



फल एवं सब्जियों में रासायनिक कीटनाशकों के सुरक्षित उपयोग पर प्रशिक्षण को डॉ. धुरेन्द्र सिंह ने सम्बोधित किया।

परिवार के लिए गुणवत्तापूर्ण एवं स्वस्थ उत्पाद उपयोग करने की सलाह दी। डॉ. एस. के. माहेश्वरी,

विभागध्यक्ष, फसल उत्पादन ने शुष्क क्षेत्रों की प्रमुख फल एवं सब्जी फसलों में होने वाले प्रमुख रोगों के वैज्ञानिक

प्रबंधन की जानकारी दी तथा समय पर रोगों की पहचान एवं समुचित नियंत्रण उपाय अपनाने पर बल दिया।



मुझे कहना होगा कि हॉकी इंडिया ने कई अच्छे काम किए हैं, लेकिन यह फैसला शर्माना है। भारतीय टीम की पहचान और विरासत हमेशा से नीला रंग रही है। मैंने कई सालों तक गर्व के साथ नीली जर्सी पहनी है। - विरेन रास्किन्हा

पूर्व भारतीय कप्तान, भारतीय हॉकी टीम के भगवा रंग को लेकर बोलते हुए।



खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶



स्टीफन फ्लेमिंग

इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने बड़ा फैसला लेते हुए पूर्व न्यूजीलैंड कप्तान स्टीफन फ्लेमिंग को इंग्लैंड पुरुष टेस्ट टीम का नया मुख्य कोच नियुक्त कर दिया। इसके साथ ही अनुभवी बल्लेबाज जो रूट को एक बार फिर टेस्ट टीम की कप्तानी सौंप दी गई है। निजुक्ति के बाद स्टीफन फ्लेमिंग ने कहा,

क्या आप जानते हैं ?... जोशना चिनप्पा ने सीनियर नेशनल स्कवैश चैंपियनशिप में रिकॉर्ड 17 बार जीत हासिल की है।

राष्ट्रदूत बीकानेर, 31 जुलाई, 2026

5

राष्ट्रमंडल खेल 2026 : दिलीप गावित ने जीता स्वर्ण, मो. बासिल को रजत



ग्लासगो, 30 जुलाई। राष्ट्रमंडल खेल 2026 में भारतीय पैरा एथलेटिक्स दल ने बुधवार को इतिहास रच दिया। दिलीप गावित और मोहम्मद बासिल ने पुरुषों की 100 मीटर टी47 स्पर्धा में क्रमशः स्वर्ण और रजत पदक जीतकर भारत को ऐतिहासिक डबल पોडियम दिलाया। दिलीप गावित ने 1०.71 सेकंड का समय निकालते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। उनका यह प्रदर्शन

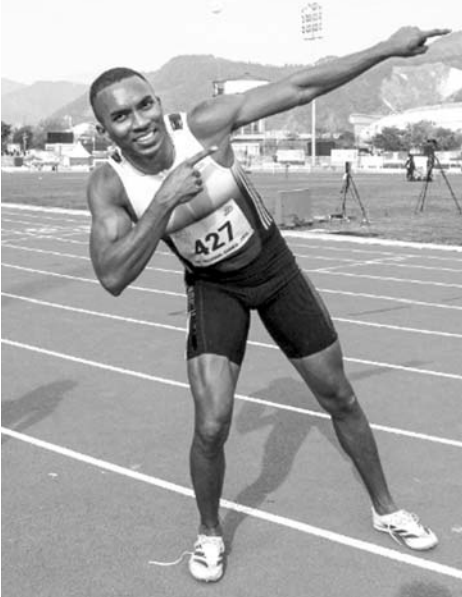


राष्ट्रमंडल खेलों का नया रिकॉर्ड भी बन गया। वहीं मोहम्मद बासिल ने 1०.83 सेकंड के साथ रजत पदक हासिल किया। दोनों भारतीय खिलाड़ियों ने इस प्रतियोगिता में अपना सीजन का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। राष्ट्रमंडल खेल 2026 में भारत का यह तीसरा स्वर्ण पदक है। इससे पहले भारोचोलन में मीराबाई चानू और पैरा शॉटपुट में शर्मिला धनकर भारत को स्वर्ण पदक दिला चुकी है।

संघर्ष से शिखर तक दिलीप का सफर

महाराष्ट्र के नासिक जिले के निकट स्थित छोटे से गांव तोरण डोंगरी में एक साधारण किसान परिवार में जन्मे दिलीप गावित का जीवन संघर्षों से भरा रहा है। बचपन में वह अपने माता-पिता के साथ खेलों में काम करते थे। महज पांच-छह वर्ष की उम्र में पेड़ से गिरने के कारण उनके दाहिने हाथ में गंभीर चोट लग गई। समय पर उचित इलाज नहीं मिलने से चोट गंभीरता में बदल गई और कोहनी के नीचे से उनका हाथ काटना पड़ा। विपरीत परिस्थितियों के बावजूद दिलीप ने हार नहीं मानी और पैरा एथलेटिक्स में अपनी पहचान बनाई। उन्होंने इसी वर्ष इंडिया ओपन और नई दिल्ली ग्रां ग्री में स्वर्ण पदक जीते थे। इसके अलावा 2022 एशियाई पैरा खेलों में पुरुषों की 400 मीटर टी47 स्पर्धा का स्वर्ण पदक भी उनके नाम है। ग्लासगो में 100 मीटर टी47 स्पर्धा में दिलीप और मोहम्मद बासिल का शानदार प्रदर्शन भारतीय पैरा एथलेटिक्स के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि माना जा रहा है। दोनों खिलाड़ियों ने एक साथ पौडियम पर स्थान बनाकर भारत का गौरव बढ़ाया और राष्ट्रमंडल खेलों में देश के पदकों की संख्या में महत्वपूर्ण इजाफा किया।

अनिमेष कुजूर ने सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 200 मीटर के सेमीफाइनल में प्रवेश किया



ग्लासगो, 30 जुलाई। राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी अनिमेष कुजूर ने सत्र का अपना सर्वश्रेष्ठ समय निकालते हुए बुधवार को राष्ट्रमंडल खेलों में 200 मीटर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। 23 वर्ष के कुजूर ने 2० . 46 सेकंड का समय निकालकर पहले दौर में चौथी हीट में जीत दर्ज की और कुल सातवें स्थान पर रहे। उन्होंने कैमरून के इमैनुएल एसेमे को पछाड़ा जिन्होंने मंगलवार को 9.83 सेकंड के समय के साथ 1०0 मीटर दौड़ का स्वर्ण पदक जीता था। दस हीट में से 16 सबसे तेज धावक बृहत्पतिवार को होने वाले सेमीफाइनल में खेलेंगे। एसेमे ने भी 20.73 सेकंड के समय के साथ 14वें स्थान पर रहते हुए सेमीफाइनल में प्रवेश किया। कुजूर के कोच मार्टिन ओवेन्स ने कहा कि यह जीत सेमीफाइनल से पहले भारतीय धावक के आत्मविश्वास को बढ़ाएगी। ओवेन्स ने कहा, "अनिमेष ने आज शानदार प्रदर्शन किया। यह उनके लिए बेहतरीन प्रदर्शन था। मुझे लगा था कि सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए उन्हें इससे भी तेज समय निकालना होगा।" उन्होंने कहा, "वह अच्छी लय में हैं और हम कल रात होने वाले सेमीफाइनल का इंतजार कर रहे हैं।

ब्राजील से भिड़ सकती है भारतीय फुटबॉल टीम

नई दिल्ली, 30 जुलाई। पांच बार की वर्ल्ड चैंपियन ब्राजील की पुरुष फुटबॉल टीम 3 अक्टूबर को कोलकाता में भारत के खिलाफ इंटरनेशनल फ्रेंडली मैच खेल सकती है। यह मुकाबला ब्राजील के 2026 इंटरनेशनल कैलेंडर का हिस्सा है। हालांकि, एआइएफएफ और ब्राजीलियन फुटबॉल कन्फेडरेशन ने अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद भारत आएगी ब्राजील टीम - रिपोर्ट के मुताबिक, ब्राजील टीम सितंबर-अक्टूबर फीफा विंडो में तीन इंटरनेशनल फ्रेंडली मैच खेलेगी। पहले दो मुकाबले 25 और 29 सितंबर को ऑस्ट्रेलिया के टाउन्सविले और ब्रिस्बेन में होंगे। इसके बाद 3 अक्टूबर को कोलकाता में भारत के खिलाफ तीसरा और आखिरी मैच प्रस्तावित है। लंबे समय से चल रही थी चर्चा पिछले एक हफ्ते से ब्राजील के भारत दौरे को लेकर अटकलें तेज थीं।

यूईई अंडर-19 विमेंस टी-20 वर्ल्ड कपकेलिए क्वालीफाई

नई दिल्ली, 30 जुलाई। यूईई महिला क्रिकेट टीम ने मेजबान मलेशिया की 1 रन से हराकर अंडर-19 विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई कर लिया। एशिया क्वालिफायर का फाइनल बायुमास ओवल में खेला गया। यूईई पहले बल्लेबाजी करते हुए 19.3 ओवर में 95 रन पर ऑलआउट हो गईं। हालांकि मलेशिया को 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 94 रन के स्कोर पर रोककर मैच जीत लिया। आठ टीमों के इस रीजनल क्वालीफायर की शुरुआत 23 जुलाई को हुई थी। अंडर-19 विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप के अब तक 2 एडिशन खेले गए हैं। 2023 और 2025 में दोनों बार भारत ने जीत दर्ज की थी।

जर्सी के भगवा रंग पर हॉकी इंडिया की सफाई, कहा- खिलाड़ियों और कोचों की तकनीकी सलाह पर हुआ फैसला

नई दिल्ली, 30 जुलाई। एफआईएफ हॉकी विश्व कप के लिए भारतीय हॉकी टीमों को नई भगवा (केसरिया) जर्सी को लेकर उठे सवालों के बीच हॉकी इंडिया ने गुरुवार को आधिकारिक बयान जारी कर स्पष्ट किया है कि जर्सी के रंग में बदलाव खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ की सफारिशों तथा विस्तृत विचार-विमर्श के बाद किया गया है। संस्था ने कहा कि इस फैसले का मुख्य आधार तकनीकी जरूरत थी, न कि कोई अन्य कारणा। हॉकी इंडिया के अनुसार खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ ने महसूस किया कि पारंपरिक नीली जर्सी अंतरराष्ट्रीय हॉकी में प्रचलित नीले सिंथेटिक टर्फ के साथ काफी हद तक मेल खाती है। इससे खिलाड़ियों को मैदान पर एक-दूसरे को पहचानने और दृश्य स्पष्टता बनाए रखने में कठिनाई होती थी।



इसी कारण खिलाड़ियों और कोचों ने पीले या केसरिया रंग जैसे वैकल्पिक विकल्प सुझाए।

बयान में कहा गया कि सभी सुझावों पर विचार करने के बाद केसरिया रंग को अंतिम रूप दिया गया। यह रंग न केवल तकनीकी दृष्टि से उपयुक्त है, बल्कि भारतीय राष्ट्रीय ध्वज के तीन रंगों में से एक होने के कारण साहस, त्याग और राष्ट्रीय गौरव का भी प्रतीक है। हॉकी इंडिया ने स्पष्ट किया कि राष्ट्रीय टीम की



संतोष और यशस पुरुषों की 400 मीटर बाधा दौड़ के फाइनल में

ग्लासगो, 30 जुलाई। भारतीय एथलीट यशस पलाक्षा और संतोष के तमिलरासन ने बुधवार को यहां राष्ट्रमंडल खेलों की पुरुषों की 400 मीटर बाधा दौड़ के फाइनल में जगह बना ली। दोनों खिलाड़ियों ने अपनी हीट में सबसे तेज दो क्वालीफायर के बाद तीसरे स्थान पर रहते हुए (फास्टेस्ट लुजर) के रूप में फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। संतोष ने दूसरी हीट में 49.51 सेकंड का समय लेकर तीसरा स्थान हासिल किया जबकि यशस पहली हीट में 49.65 सेकंड का समय निकालते हुए तीसरे स्थान पर रहे। दोनों खिलाड़ियों ने अपनी हीट में तीसरे स्थान पर रहकर फाइनल में प्रवेश किया। संतोष कुल मिलकर सातवें और यशस आठवें स्थान पर रहे। तीन हीट में शीर्ष दो स्थान पर रहने वाले धावकों ने सीधे आठ खिलाड़ियों के फाइनल के लिए क्वालीफाई किया।

रहाणे ने भारतीय क्रिकेट से मिले अनुभवों को याद करते हुए कहा, "प्रथम श्रेणी क्रिकेट में पदार्पण करने के बाद से पिछले 20 वर्षों में भारतीय क्रिकेट ने जबरदस्त प्रगति की है और उसका हिस्सा बनना मेरे लिए गर्व की बात है। एक भारतीय क्रिकेटर के रूप में मेरा अत्यर्थ भूते समाप्त हो रहा हो, लेकिन खेल के साथ मेरी यात्रा खत्म नहीं हुई है।

मौका मेरे लिए भारत का प्रतिनिधित्व करने का अपना था। मैंने हमेशा एक सिद्धांत अपनाया कि देश और टीम हमेशा मुझसे ऊपर रहेंगे। मैंने पूरी ईमानदारी से क्रिकेट खेला और हमेशा विश्वास किया कि यदि आपको नीयत सही हो तो खेल आपका साथ देता है।"

उन्होंने कहा, "डॉबिवली से एक छोटे लड़के के रूप में अभ्यास करने के लिए सफर करने से लेकर क्रिकेट के रूप में मेरा अत्यर्थ भूते समाप्त हो रहा हो, लेकिन खेल के साथ मेरी यात्रा खत्म नहीं हुई है।

लक्ष्य क्रिकेट एकेडमी 3 विकेट से विजेता

जयपुर, 30 जुलाई। मरुघर क्रिकेट एकेडमी द्वारा आयोजित द्वितीय अंडर-17 मरुघर क्रिकेट कप में खेले गये मैच में मरुघर क्रिकेट एकेडमी और लक्ष्य क्रिकेट एकेडमी के मध्य खेले गये मैच में टॉस जीत कर मरुघर क्रिकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। मरुघर क्रिकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 177/10 34.3 में ऑल आउट हो गईं। मरुघर क्रिकेट एकेडमी की ओर से सचिन गुर्जर ने 85 रन, अमन यादव ने 30 रन और लवेश शर्मा ने 18 रन बनाये। लक्ष्य क्रिकेट एकेडमी और से गेदबाजी करते हुए हेमंत सैनी ने 41 रन देकर 3 रन विकेट, त्रिशूष माली ने 46 रन देकर 2 विकेट, ओविश जागिंड ने 27 रन देकर 2 विकेट और तेंजस जोशी ने 18 रन देकर 2 विकेट लिया।

जर्सी के रंग में बदलाव कोई नई बात नहीं है। समय-समय पर व्यावहारिक और तकनीकी आवश्यकताओं के अनुसार टीम की जर्सी में बदलाव किए जाते रहे हैं। उदाहरण के तौर पर 2014 एफआईएफ हॉकी विश्व कप के दौरान भारतीय टीम ने पीले रंग की जर्सी पहनी थी, जबकि 2०18 एफआईएफ हॉकी विश्व कप में टीम की जर्सी का रंग आसमानी नीला रखा गया था और उसका डिजाइन भी पूरी तरह बदला गया था।

हॉकी इंडिया ने अपने बयान के अंत में दोहराया कि मौजूदा केसरिया जर्सी का निर्णय पूरी तरह खिलाड़ियों और कोचों से मिले तकनीकी फीडबैक तथा राष्ट्रीय ध्वज से जुड़े इस रंग के प्रतीकात्मक महत्व को ध्यान में रखकर लिया गया है। इससे खिलाड़ियों को मैदान पर बेहतर दृश्यता मिलेगी।

ग्लासगो, 30 जुलाई। भारत के स्टार लंबी कूद खिलाड़ी मुरली श्रीशंकर ने राष्ट्रमंडल खेल 2०26 में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्थानीय समयानुसार बुधवार को पुरुषों की लंबी कूद स्पर्धा का रजत पदक अपने नाम किया। इसके साथ ही उन्होंने बर्मिंघम 2022 में जीते गए रजत पदक की सफलता को दोहराया और लगातार दूसरी बार राष्ट्रमंडल खेलों के पौडियम पर जगह बनाई। 27 वर्षीय श्रीशंकर ने अपने छह प्रयासों में दूसरे प्रयास में 8.09 मीटर की छलांग लगाई, जो उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा। हालांकि दो प्रयास फाउल रहे, लेकिन पूरे मुकाबले में वह पदक की दौड़ में बने रहे। स्वर्ण पदक जर्मेका के तीन बार के विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता गेल ने जीता। गेल ने चौथे प्रयास में 8.15 मीटर की छलांग लगाकर मुकाबले पर निर्णायक बढ़त



महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर

निविदा सूचना

विश्वविद्यालय में स्टेशनरी आपूर्ति हेतु दर सविदा जारी की गयी हैं, जिसका यूबीएन **GSU2627GLRC00011** हैं । निविदा से संबंधित विस्तृत जान कारी <http://sppp.rajasthan.gov.in> व www.eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है ।

राज.संवाद/सी/26/8016

बित निर्यंत्रक



राजस्थान आवासन मण्डल

क्रमांक:- 117 दिनांक:- 30/07/2026

संशोधित ईपीसी निविदा सूचना संख्या: 09/2025-26

इस कार्यालय द्वारा जारी ईपीसी निविदा सूचना संख्या 09/2025-26 में संशोधन उपरन्त बिड़ प्रयत्र डाउनलोड व अपलोड करने की अन्तिम तिथि 07.08.2026 सांय 6:00 बजे तक, मुद्र प्रयत्र कार्यालय में जमा कराने की तिथि 10.08.2026 सांय 4:00 बजे तक, तकनीकी बिड़ खोलने की तिथि 12.08.2026 अपराह्न 3:00 बजे एवं वित्तीय बिड़ खोलने की तिथि 25.08.2026 प्रातः 11:00 बजे रहेगी। अन्य शर्तें मूल बिड़ अनुसार यथावत रहेगी।

राज.संवाद/सी/26/8101

अतिरिक्त मुख्य अभियंता-नृतीय, जयपुर

महाराणा प्रताप कृषि एवं प्राौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर (राज.)

क्रमांक—डीपीएम / मप्रकृषीविधि / निविदा / 2026-27 / 03 / 7175 दिनांक— 30.07.2026

निविदा सूचना –(03) / (2026-27)

कुलगुरु महोदय, म.प्र.कृषीविधि, उदयपुर की ओर से विश्वविद्यालय एवं समस्त अधीनस्थ इकाईयों हेतु विज्ञापन प्रकाशन सेवा (अनुमानित लागत रु. 15 लाख) की आपूर्ति के लिए मुरहरचन्द निविदाएं आमंत्रित की जाती है । समस्त शर्तें एवं विस्तृत विवरण www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.mpwat.ac.in पर देखी जा सकती है ।

UBN : ATU2627SLRC00133

निदेशक (आयोजना एवं परीवेषण निदेशालय)

कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति, धौलपुर

क्रमांक:- 417 दिनांक:- 20/07/2026

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

कृषि उपज मंडी समिति, धौलपुर में वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु निम्न व्यवस्थाओं के लिए रजिस्टर्ड प्रतिष्ठित फर्म/अधिकृत डीलर/विक्रेता को/संवदेको/ संस्थाओं से ऑन लाइन निविदाये निम्नानुसार आमंत्रित की जाती है। निविदा अपलोड करने की अंतिम तिथि 04/08/2026 सायं 6:00 बजे तक एवं तकनीकी निविदा खोलने की दिनांक 05/08/2026 प्रातः 10 बजे

क्र.	व्यवस्था का नाम एवं UBN No.	अनु. राशि लाखों में	बिड सिक्कीयरी राशि रु.	निविदा शुल्क रु.	निविदा प्रोसेसिंग शुल्क रु.
1	मानव संसाधन उपापन सफाई ठेका UBN: DAM2627SL0B00361	20.00	0.40 लाख	500	1180
2	मानव संसाधन उपापन कम्प्यूटर अपरैटर अर्पुति UBN: DAM2627SL0B00362	12.00	0.24 लाख	500	1180
3	मानव संसाधन उपापन चौकीदार / इलेक्ट्रीशियन आपूर्ति। UBN: DAM2627SL0B00363	27.00	0.54 लाख	500	1180

निविदा सूचना एवं अन्य शर्तें ई-निविदा पोर्टल, sppp.rajasthan.gov.in एवं विभागीय वेबसाइट पर देखी जा सकती है। निविदा को सीकृत / असीकृत करने का अधिकार मण्डी समिति को होगा।

प्रशासक सचिव
कृषि उपज मण्डी समिति, धौलपुर (राजो)



OFFICE OF THE MUNICIPAL BOARD, DEOGARH

Near Bus Stand Deogarh
Tel. No. 02904-252039 Email id:EODEGARH.LSG@RAJASTHAN.GOV.IN
S.No. F ()/JMBD/Engg/E-NIB/07/2026-27/1843 Date :- 27-07-2026

Notice Inviting BID
NIB NO 07/2026-27

नगर पालिका देवगढ द्वारा निम्नांकित विकास कार्यों हेतु केन्द्र व राज्य सरकार के विभागो व अधिकृत संगठनो व स्वायत्त शासी संस्थाओं से उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से इलेक्ट्रोनिज फार्मेन्ट में ऑनलाईन निविदा आमन्त्रित की जाती है। निविदा सम्बन्धित विस्तृत विवरण व जानकारी वेबसाईट www.sppp.raj.nic.in or <http://eproc.rajasthan.gov.in> पर देखी एवं डाउनलोड की जा सकती है।

NIB CODE :- DLB2627A4876
UBN :- DLB2627WSOB11676, DLB2627WSOB11677, DLB2627WSOB11678, DLB2627WSOB11679, DLB2627WSOB11680
--: महत्वपूर्ण तिथियां --:

क्र.	व्यवस्था का नाम एवं UBN No.	अनु. राशि लाखों में	बिड सिक्कीयरी राशि रु.	निविदा शुल्क रु.	निविदा प्रोसेसिंग शुल्क रु.
1	मानव संसाधन उपापन सफाई ठेका UBN: DAM2627SL0B00361	20.00	0.40 लाख	500	1180
2	मानव संसाधन उपापन कम्प्यूटर अपरैटर अर्पुति UBN: DAM2627SL0B00362	12.00	0.24 लाख	500	1180
3	मानव संसाधन उपापन चौकीदार / इलेक्ट्रीशियन आपूर्ति। UBN: DAM2627SL0B00363	27.00	0.54 लाख	500	1180

निविदा सूचना एवं अन्य शर्तें ई-निविदा पोर्टल, sppp.rajasthan.gov.in एवं विभागीय वेबसाइट पर देखी जा सकती है। निविदा को सीकृत / असीकृत करने का अधिकार मण्डी समिति को होगा।

प्रशासक सचिव
कृषि उपज मण्डी समिति, धौलपुर (राजो)



OFFICE OF THE MUNICIPAL BOARD, DEOGARH

Near Bus Stand Deogarh
Tel. No. 02904-252039 Email id:EODEGARH.LSG@RAJASTHAN.GOV.IN
S.No. F ()/JMBD/Engg/E-NIB/07/2026-27/1843 Date :- 27-07-2026

Notice Inviting BID
NIB NO 07/2026-27

नगर पालिका देवगढ द्वारा निम्नांकित विकास कार्यों हेतु केन्द्र व राज्य सरकार के विभागो व अधिकृत संगठनो व स्वायत्त शासी संस्थाओं से उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से इलेक्ट्रोनिज फार्मेन्ट में ऑनलाईन निविदा आमन्त्रित की जाती है। निविदा सम्बन्धित विस्तृत विवरण व जानकारी वेबसाईट www.sppp.raj.nic.in or <http://eproc.rajasthan.gov.in> पर देखी एवं डाउनलोड की जा सकती है।

NIB CODE :- DLB2627A4876
UBN :- DLB2627WSOB11676, DLB2627WSOB11677, DLB2627WSOB11678, DLB2627WSOB11679, DLB2627WSOB11680
--: महत्वपूर्ण तिथियां --:

क्र.	व्यवस्था का नाम एवं UBN No.	अनु. राशि लाखों में	बिड सिक्कीयरी राशि रु.	निविदा शुल्क रु.	निविदा प्रोसेसिंग शुल्क रु.
1	मानव संसाधन उपापन सफाई ठेका UBN: DAM2627SL0B00361	20.00	0.40 लाख	500	1180
2	मानव संसाधन उपापन कम्प्यूटर अपरैटर अर्पुति UBN: DAM2627SL0B00362	12.00	0.24 लाख	500	1180
3	मानव संसाधन उपापन चौकीदार / इलेक्ट्रीशियन आपूर्ति। UBN: DAM2627SL0B00363	27.00	0.54 लाख	500	1180

निविदा सूचना एवं अन्य शर्तें ई-निविदा पोर्टल, sppp.rajasthan.gov.in एवं विभागीय वेबसाइट पर देखी जा सकती है। निविदा को सीकृत / असीकृत करने का अधिकार मण्डी समिति को होगा।

प्रशासक सचिव
कृषि उपज मण्डी समिति, धौलपुर (राजो)



कार्यालय नगरपालिका मण्डल बरेडी, धौलपुर (राज.)

Email id :- baseri.jaipur21@gmail.com

क्रमांक:- न.पा.ब. / निर्माण / 2026 / 2863 दिनांक:- 27.07.2026

ई- निविदा सूचना संख्या 13/2026-27

आमंत्रण सूचना

नगरपालिका द्वारा निम्न कार्य हेतु केन्द्र सरकार व राज्य सरकार के विभागो में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से ई-प्रोक्युरमेन्ट प्रक्रिया के अन्तर्गत ऑनलाइन आमन्त्रित की जाती है। निविदा डाउनलोड एवं अपलोड करने की तिथि 25.07.2026 समय प्रातः 10:00 बजे से प्रारम्भ की जाकर निविदा अपलोड करने की अन्तिम तिथि 03.08.2026 समय सांय 06:00 बजे तक होगी। एवं निविदा दिनांक 05.08.2026 को खोली जायेगी। तकनीकी निविदा में सफल संवेदकों की ही वित्तीय बिड खोली जायेगी।

निविदा फॉर्म ऑनलाईन वेबसाईट <http://eproc.rajasthan.gov.in> पर अपलोड व डाउनलोड की जायेगी। तथा ऑनलाईन वेबसाईट <http://sppp.rajasthan.gov.in> पर भी निविदा शर्तें देखी जा सकती है।

Sr.No.	UBN no.	Tender Id	Estimated Cost
1	DLB2627WSRC11691	2026_DLB_577560_1	17.12,880/-

अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका बरेडी

राज.संवाद / सी / 26 / 8047



कार्यालय नगर परिषद्, ब्यावर

Tel No. 01462-258665, 257599 Email Add: npbeawar@gmail.com

क्रमांक / निर्माण / 2026-27 / 5327 दिनांक:- 23.07.2023

ई-निविदा सूचना संख्या 08/2026-27

नगर परिषद, ब्यावर द्वारा कई श्यामाप्रसाद मुखर्जी जिला उल्थान योजनान्तर्गत 04 निर्माण कार्य परिषद के सम्बन्धित श्रेणी के पंजीकृत ठेकेदारों एवं सार्वजनिक निर्माण विभाग के सक्षम पंजीकृत ठेकेदारों से E-Procurement प्रक्रिया के तहत केवल www.eproc.rajasthan.gov.in की ऑनलाईन निविदा के माध्यम से निविदा आमन्त्रित की जाती है। शुल्क 13.08.2026 प्रातः 06:00 बजे तक निविदा मरी जा सकती है एवं ई-निविदा फार्म विनियम एवं प्रोसेसिंग फीस की राशि नगर परिषद के IDFC First Bank के खाता संख्या 10123576694 आईएफ.सी. कोड IDFB0042185 में जमा काराकर बोली धरोहर का डी.डी. / बैंकर बैंक नगर परिषद, ब्यावर के निर्माण खाते में दिनांक 14.08.2026 को प्रातः 11 बजे से पूर्व जमा कराना अनिवार्य कराना अनिवार्य है। कुल 04 निर्माण कार्य कराये जाने है। ई-निविदा सूचना की समस्त शर्तें SPPP पोर्टल पर देखी जा सकती है।

जिसका **NIB CODE** DLB2627A4863 है एवं **UBN** No. निम्नानुसार है--

- DLB2627WL0B11637
- DLB2627WL0B11638
- DLB2627WL0B11639
- DLB2627WL0B11640

आयुक्त
नगर परिषद, ब्यावर

राज.संवाद / सी / 26 / 8075



जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड

एडी. ऑफिस - विद्युत नगल, उत्तरी बजार, जयपुर-302005
Website :- <http://energy.rajasthan.gov.org/jvvn1>
कार्यालय मुख्य अधिकारी (सीट अलगा), जयपुर पूर्व बजार, बार्ड रीड, बार्ड- 324001
दूरभाष नं.- 0144-2320881, 2450066 ईमेल:- zcekz@jvvn1.org

ई-निविदा सूचना

जयपुर डिक्कॉम में निम्न कार्य हेतु दो भागों में ई-निविदा (तकनीकी-वाणिज्यिक) एआरसी 2025 पर योग्य निविदादाताओं से श्रम दर पर आमंत्रित किये जाते हैं- बारा वृत्त में, सहायक अभियंता (पवर) किशनगंज के अंतर्गत माधवा गौव में, आवेदक हथियादेह सिंघाई परियोजना (XEN जल संसाधन ब्लॉक III, बारा) के लिए 11 KV 3-फेज लाइन और 33/11 KV GSS बूजनगर में 11 KV व के निर्माण कार्य करने हेतु (टीएन-07 / 2026-27)। (UBN: VVN2627WSOB00252), सहायक अभियंता (पवर), किशनगंज के अंतर्गत कवारी कला गौव में, आवेदक हथियादेह सिंघाई परियोजना (XEN जल संसाधन ब्लॉक III, बारा) के लिए 11 KV 3-फेज लाइन और 33/11 KV GSS रेलाबन में 11 क्वी व के निर्माण कार्य करने हेतु (टीएन-08 / 2026-27)। (UBN: VVN2627WSOB00253) झालावाड वृत्त में उपखण्ड सहायक अभियंता (पवर-ग्रामीण), झालावाड के अंतर्गत 33/11 क्वी रूबी सब स्टेशन व इसके अंतर्गत 33 क्वी लाईन व 11 क्वी इंटरकनेक्शन के निर्माण कार्य करने हेतु (टीएन-09 / 2026-27)। (UBN: VVN2627WSOB00254) कोटा वृत्त में उपखण्ड सहायक अभियंता (एचटीएम-डीडी), कोटा के अंतर्गत 33 / 11 क्वी निमोदा सब स्टेशन व इसके अंतर्गत 33 क्वी लाईन व 11 क्वी इंटरकनेक्शन के निर्माण कार्य करने हेतु (टीएन-10 / 2026-27)। (UBN: VVN2627WSOB00255), सहायक अभियंता (एचटीएम-डीडी), कोटा के अंतर्गत 33 / 11 क्वी कसार सब स्टेशन व इसके अंतर्गत 33 क्वी लाईन व 11 क्वी इंटरकनेक्शन के निर्माण कार्य करने हेतु (टीएन-11 / 2026-27)। (UBN: VVN2627WSOB00256) बूंदी वृत्त में उपखण्ड सहायक अभियंता (पवर), के. पारतन के अंतर्गत 33/11 क्वी केशनगर सब स्टेशन व इसके अंतर्गत 33 क्वी लाईन व 11 क्वी इंटरकनेक्शन के निर्माण कार्य करने हेतु (टीएन-12 / 2026-27)। (UBN: VVN2627WSOB00257), सहायक अभियंता (पवर), कठर के अंतर्गत 132 KV GSS एरखोदा से विभिन्न 33/11 KV सब-स्टेशन और

